MLAs/Lib

हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

11 फरवरी, 2004

खण्ड-1, अंक-4

अधिकृत विवरण

विषय सूची

बुधवार, 11 फरवरी, 2004

	पृष्ठ संख्या
तारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(4) 1
सदस्यों का नाम लेना	(4)16
तारांकित प्रश्न एवं उत्तर (पुनरारम्भ)	(4)18
नियम 45(i) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर	(4)22
सदस्यों का निलम्बन	(4)22
वाक आउट	(4)22
ध्यानाकर्षण प्रस्ताव	(4)23
सारे प्रदेश में रबी की पैदावार को हाल ही में ओलावृष्टि के कारण हुए भारी नुकसान संबंधी।	(4)23

मूल्य :

नियम 30 के अधीन प्रस्ताव (4)24

वाक आउट (4)24

समिति की रिपोर्ट प्रस्तुत करना (4)25

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ) (4)25

1UUS/Lib/3

हरियाणा विधान सभा

बुधवार, 11, फरवरी , 2004

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर-1, चण्डीगढ़ में प्रातः 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (श्री सतबीर सिंह कादियान) ने अध्यक्षता की ।

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, अब सवाल होंगे।

Addition in Power Generation Capacity

***1724. Sh. Banta Ram, :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether the State Government has made any addition in the power generation capacity available to Haryana during the period from 1-8-1999 up till now; and

(b) the total power generation capacity added during the period from March, 1991 to April, 1996 and May, 1996 to July, 1999?

मुख्य संसदीय सचिव (श्री राम पाल माजरा) :

(क) हां श्रीमान् 1-8-1999 से 31-1-2004 के दौरान उपलब्ध बिजली की उत्पादन क्षमता 828.5 मैगावाट बढ़ गई है।

(ख) बिजली उत्पादन क्षमता में अनुरूप वृद्धि मार्च, 1991 से अप्रैल, 1996 के दौरान 131.8 मैगावाट तथा मई, 1996 से जुलाई, 1999 तक 198.70 मैगावाट थी।

श्री बंता राम : अध्यक्ष महोदय, मैंने आपके द्वारा माननीय मुख्यमंत्री महोदय से जो प्रश्न पूछा था उसके जवाब से मैं संतुष्ट हूं।

श्री कृष्णलाल पंवार : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सी०पी०एस० महोदय से पूछना चाहता हूं कि हमारे थर्मल प्लांटस का पूरे प्रदेश में अब पी०एल०एफ० कितना है, ऑयल कन्जम्पशन कितनी है, कोल कन्जम्पशन कितनी है और अग्जूलरी परसंटेज कितनी है ?

श्री रामपाल माजरा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि इसमें सरकार ने बड़े ही अच्छे कदम उठाये हैं। 1998-99 में पी०एल०एफ० की स्थिति 49.24 प्रतिशत थी जो कि अब 72.41 प्रतिशत है। इसी तरह एग्जूलरी परसैंटेज 1998-99 में 12.4 प्रतिशत थी जो कि अब कम होकर 10.54 प्रतिशत हो गई है। इसी तरह कोल कन्जम्पशन 1998-99 में 838 ग्राम थी जो कि अब कम होकर 763 ग्राम हो गई है। इसी प्रकार से ऑयल कन्जम्पशन 1998-99 में 12.70 मिली लीटर थी जो कि अब कम होकर 3.71 मिली लीटर हो गई है। यह सब इसीलिए हुआ है कि थर्मल प्लांटस के सुधार के लिए हमारी सरकार ने बहुत ही अच्छे कदम उठाये हैं।

श्री अध्यक्ष : मांजरा साहब, जो पी०एल०एफ०, ऑयल और कोल कन्जम्पशन आदि में सुधार हुआ है यह किस कारण हुआ है। इस बारे में आपकी सरकार ने क्या स्टैप उठाये हैं ?

श्री रामपाल माजरा : अध्यक्ष महोदय, इस बारे में भाई रामफल कुण्डू जी का प्रश्न लगा हुआ है आपने तो पहले ही पूछ लिया।

श्री अध्यक्ष : माजरा जी, आप इसका जवाब जब संबंधित प्रश्न आये उसी समय दे देना।

श्री उदयभान : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि फरीदाबाद के अंदर एन०टी०पी०सी० का गैस बेस्ड जो थर्मल पावर स्टेशन मूंझेड़ी में है, वह कितनी बिजली पैदा करने की उसकी प्रोडक्शन क्षमता है और क्या हम उसकी पूरी क्षमता यूज कर रहे हैं, यदि नहीं कर रहे तो क्यों ?

श्री रामपाल माजरा : अध्यक्ष महोदय, उसकी प्रोडक्शन क्षमता 432 मेगावाट है और हम 432 मेगावाट क्षमता का पूरा यूज कर रहे हैं।

Increasing the availability of Medicines

***1728. Shri Balbir Singh, :** Will the Minister of State for Health be pleased to state the action taken or proposed to be taken by the Government for increasing the availability of medicines in the Hospitals in the State?

राज्य स्वास्थ्य मन्त्री (डा० एम०एल० रंगा०) : श्रीमान् जी, दवाईयों की उपलब्धता बढ़ाने के लिए बहुत से कदम उठाए गए हैं, जिसमें कम्प्यूट्राईज्ड प्रणाली द्वारा दवाईयों के भंडारों की मॉनीटिरिंग करना, खरीद की नीति निर्धारण करना, जैनरिक दवाईयों का इस्तेमाल एवं यूजर चार्जिज से उपलब्ध होने वाली कुछ राशि से दवाईयों की खरीद करना।

श्री बलबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि पिछली सरकारों के समय में कितने रुपये की दवाईयां खरीदी जाती थी और चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी की सरकार बनने के बाद कितने रुपये की दवाईयां खरीदी जा रही हैं?

डा० एम०एल०रंगा : अध्यक्ष महोदय, मैं सदन को स्वास्थ्य विभाग की उपलब्धियों के बारे में पहले ही बता चुका हूं। सदस्य साथी की जानकारी के लिए मैं फिर बताना चाहूंगा कि इस दिशा में हमने 7-8 कदम उठाये हैं जिस कारण आज के समय में पी०एच०सी० में दवाईयां उपलब्ध हैं। जहां जहां पर जितनी दवाईयां उपलब्ध हैं उनकी हम रोजाना मॉनिटरिंग करके पता लगाते रहते हैं कि कौन कौन सी जगह पर कौन कौन सी कितनी दवाई यूज हुई है। इसी प्रकार से हमने परचेज की पालिसी को भी पिछले तीन सालों में बदल दिया है। दवाईयों का मिसयूज न हो इसलिए हमने दवाईयों के पैकेट पर 'गवर्नमैंट आफ हरियाणा' लिखवाया है ताकि वे बाहर बाजार में न बिक सकें। इसी प्रकार से जो दवाईयां स्टोर में रखी जाती थीं उसकी नीति में भी बदलाव किया है। अब इन दवाईयों को स्टोर के अन्दर डबल लॉक में रखा जाता है। एक चाबी फार्मिस्ट के पास होती है और दूसरी चाबी डॉक्टर इन्चार्ज के पास होती है। जब स्टोर से दवाई लेनी होती है तो दोनों की उपस्थिति में ही स्टोर से दवाई निकाली जाती है। मैं अपने साथी को यह भी बताना चाहूंगा कि जब हरियाणा राज्य बना तो उस वक्त स्वास्थ्य विभाग का बजट 82 लाख रुपये का था जो आज बढ़ कर 410 करोड़ रुपये का हो गया है। जिस समय हरियाणा

बना उस वक्त दवाईयों पर 4 लाख 70 हजार रुपये खर्च होते थे जबकि आज की सरकार के समय में 4 करोड़ 70 लाख रुपये खर्च हो रहे हैं। मुख्यमंत्री जी स्वास्थ्य विभाग की तरफ विशेष ध्यान दे रहे हैं। मैं सदन की जानकारी के लिए यह भी बताना चाहूंगा कि आने वाले समय में हम दवाईयों के बजट को 6 करोड़ 40 लाख रुपये करने जा रहे हैं ताकि आम आदमी को अस्पतालों में दवाईयां मिल सकें।

श्री बलवन्त सिंह मायना : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि जब से हरियाणा बना तब से लेकर आज तक स्वास्थ्य विभाग पर कितना बजट खर्च हुआ। दूसरी बात मैं यह जानना चाहूंगा कि जो पैसा स्वास्थ्य विभाग में आता है उसका जिलावाईज किस प्रकार से वितरण किया जाता है ?

डा० एम०एल० रंगा : अध्यक्ष महोदय, हम बजट का एलोकेशन, इक्यूपमेंटस, मैडीसन आदि को ध्यान में रखकर करते हैं। जहां तक दवाईयों के लिए पैसे को देने का सवाल है, इस बारे में मैं इनको बताना चाहूंगा कि हम यह पैसा जनसंख्या के हिसाब से देते हैं। जो जिला बड़ा होता है वहां पर ज्यादा पैसा दवाईयों के लिए जाता है और जो छोटा जिला होता है वहां पर कम पैसा दिया जाता है। पिछले साल हरियाणा सरकार ने हरियाणा मैडीसन पालिसी बनायी है। इस पॉलिसी को बनाते वक्त हमारे ऑल इण्डिया मैडिकल इन्स्टीच्यूट की स्पैशिलिटी और सुपर स्पैशिलिटी के जो डॉक्टर्ज थे या हमारे रोहतक के डॉक्टर्ज थे या पी०जी०आई०, चण्डीगढ़ के डॉक्टर्ज थे और हमारे सिविल सर्जन हैं उन सब की एक बैठक लेकर हमने यह पूछा कि कौन-कौन सी दवाईयां हैं जो इमिजियेटली होस्पीटल्ज में होनी चाहिएं। उन्होंने मिलकर 259 प्रकार की दवाईयों की एक लिस्ट बना कर हमें दी कि यह दवाईयां कम से कम इमिजियेटली होस्पीटल्ज़ में होनी चाहिएं। फिर हमने परचेज कमेटी के तौर पर यह सुनिश्चित किया और 181 प्रकार की दवाईयों की सूचि हमने तैयार की और यह सूची मेरे पास है अगर सदन कहे तो मैं इस सूची को पढ़ कर सुना भी सकता हूं। 181 प्रकार की दवाईयां ऐक्कोर्डिंग टू रिक्मैंडेशन 'हरियाणा असैंशियल मैडीसन पॉलिसी' के तहत आज पी०एच०सीज० और सी०एच०सीज० में उपलब्ध हैं। स्पीकर सर, हर वह मरीज जो होस्पीटल में आता है उसके बारे में डॉक्टर्ज को यह इन्स्ट्रक्शन्ज हैं कि बाहर की दवाईयां न लिखें और होस्पीटल के अन्दर जो दवाईयां उपलब्ध हैं वही लिख कर दें। हमने जिलावाईज दवाईयों का बजट दिया हुआ है। पहले क्या होता था कि सिविल सर्जन अपने लैवल पर दवाईयों की परचेज करते थे। इस बात का भी हमने फैसला किया है कि जैनरिक साल्ट वाली दवाइयां खरीदी जाएं और बॉण्डिड दवाईयां न खरीदी जाएं। मिसाल के तौर पर मैं बताना चाहूंगा कि जैसे सिट्राजिन की टेबलैट है, सिट्राजिन की टेबलैट के एक पत्ते में 10 टेबलैट आती हैं और वह बॉण्डिड पत्ता 24/-रुपये का आता है लेकिन जैनरिक साल्ट का पत्ता केवल 74 पैसे में आता है, इसमें इतना भारी अन्तर है। अध्यक्ष महोदय, हमने तीन साल लगातार सैंट्रल परचेज की है और सैंट्रल परचेज कमेटी बना कर यह खरीद की गई है । इस परचेज कमेटी के चेयरमैन आदरणीय मुख्यमन्त्री जी हैं। सैंट्रल परचेज कमेटी दवाईयों की परचेज एक जगह पर करती है और वह दवाईयां जिलों के हिसाब से हम अपने यहां गाड़ियों में लाद कर भेजते हैं तथा डेली रूटीन में हम दवाईयों का स्टाक भी मांगते हैं। यदि कहीं पर दवाईयां समाप्त होने वाली होती हैं तो एक महीने पहले परचेज कमेटी की दोबारा से मीटिंग करके जो भी रेट्स होते हैं उन पर हम दवाईयां खरीदते हैं ताकि हरियाणा के जो नागरिक इलाज के लिए होस्पीटल्ज़ में आते हैं उनको दवाईयां दी जा सकें।

श्री रामफल कुण्डु : स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से माननीय राज्य मन्त्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि सरकार द्वारा केवल दवाईयों पर कितना पैसा खर्च किया जाता है ?

डा० एम०एल० रंगा : स्पीकर सर, वैसे तो मैं खर्च के बारे में पूरी जानकारी इससे पहले एक स्प्लीमैंट्री के जवाब में भी बता चुका हूं कि 4 करोड़ 70 लाख रुपये की ऐलोपैथिक दवाईयां परचेज की जाती हैं और आयुर्वेदिक की जो दवाईयां खरीदी जाती हैं वे इससे अलग हैं। हमारा जो प्रस्तावित बजट है उसमें हमने 6 करोड़ 40 लाख रुपये का प्रावधान रखा हुआ है। अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा मैं अपने सम्मानित साथी को बताना चाहूंगा कि चौधरी देवी लाल की कल्याणकारी नीतियों के तहत देश में हरियाणा पहला प्रान्त है जिसने स्वास्थ्य आपके द्वार नीति घोषित की है। पांच करोड़ रूपए का बजट स्वास्थ्य आपके द्वार के तहत हमने अलग से रखा हुआ है।

श्री भागी राम : अध्यक्ष महोदय, माननीय मन्त्री महोदय बिल्कुल तैयार हो कर आते हैं। और बड़े काबिल वजीर हैं। माननीय मन्त्री महोदय ने अपने जवाब में अभी यह कहा है कि दवाई की चाबी इन्चार्ज के पास होती है। मैं माननीय मन्त्री महोदय से यह पूछना चाहूंगा कि हरियाणा में कितने ऐसे इन्चार्ज हैं जिनके पास दवाईयों की चाबी होती है और उसी शहर में उनकी पत्नियों ने प्राईवेट होस्पीटल्ज खोल रखे हैं (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, वे कपल केस हैं और उनकी पत्नियों ने प्राईवेट होस्पीटल्ज़ खोल रखे हैं। और डॉक्टर हस्पताल का इन्चार्ज है और अस्पतालों की दवाइयां इन प्राइवेट अस्पतालों में खुलेआम बिकती थी अब बिल्कुल बन्द है।

डा० एम०एल० रंगा : अध्यक्ष महोदय, सम्मानित सदस्य और सदन की शंका का समाधान वैसे तो मेरे पिछले प्रश्न के जवाब में आ चुका है लेकिन फिर भी मैं यह बताना चाहूंगा कि जो डॉक्टर्ज प्राईवेट प्रैक्टिस करते थे उनको हमारी सरकार ने पहली बार एन०पी०ए० दिया है ताकि वे बाहर प्राईवेट प्रैक्टिस न करें। एन०पी०ए० देने की वजह से प्राईवेट प्रैक्टिस में कमी आई है। सम्मानित साथी ने यह भी बताया है कि यदि इन्चार्ज डॉक्टर है और उसकी पत्नी ने बाहर प्राईवेट क्लीनिक खोला हुआ है और सरकारी अस्पताल की दवाईयां वहां पर जाती हैं। मैं इनको बताना चाहूंगा कि हमने यह सुनिश्चित किया है कि जो हरियाणा गवर्नमैंट की दवाईयों की सप्लाई है उसमें दवाईयों के पैकेट्स का क्लर अलग किया गया है ताकि यदि वह दवाई किसी प्राईवेट क्लीनिक पर किसी को देते हैं तो पैकेट का क्लर अलग होने के कारण हमें फौरन उसका पता चल सके और हम उनके खिलाफ तुरन्त कार्यवाही कर सकें। इसी के साथ जब मरीज को दवाई दी जाती है वह दवाई स्टॉक रजिस्टर में एंटर कर दी जाती है। सारा सिस्टम कम्पयूटराईज होने के कारण उस दवाई के बारे में कम्प्यूटर में फीड कर दिया जाता है कि फलानी दवाई इतनी क्वांटिटी में प्रयोग हो गई है और वह रिकार्ड शाम तक हमारे हैड ऑफिस में आ जाता है और उसी के हिसाब से हम दवाईयां खरीदने के बारे में विचार कर लेते हैं। ऐसा करने से हमारी जो दवाईयां बाहर बिकती थीं निश्चित तौर पर उसमें कमी आई है।

श्री रमेश कुमार खटक : अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने अपने जवाब में कहा है कि सरकार द्वारा 181 किस्म की दवाईयां करोड़ों रूपए लगाकर खरीदी जाती हैं । पिछली सरकारों के समय में दवाईयां लाखों रूपए में खरीदी जाती थीं और आज करोड़ों रुपयों की खरीदी जा रही हैं। क्या इन दवाईयों के रख रखाव के लिए कोई टीम बनाई गई है जो चैक करें कि वे दवाईयां

ठीक हैं क्योंकि अखबारों में आता है कि फलानी कम्पनी गलत किस्म की दवाईयां बनाते हुए पकड़ी गई। इसके अलावा क्या मन्त्री महोदय, के पास कोई ऐसी भी कम्पलेंट आई है, कि किसी डाक्टर ने बाहर की दवाई लिखी है और अगर कोई कम्पलेंट आई है तो क्या ऐक्शन लिया गया है ?

डॉ० एम०एल० रंगा : अध्यक्ष महोदय, मेरे साथी ने दो प्रश्न पूछें हैं। पहला प्रश्न यह है कि क्या दवाईयां खरीदते वक्त यह सुनिश्चित किया जाता है कि दवाईयां ठीक खरीदी जा रही हैं कि नहीं । मैं इस विषय में इनको बताना चाहता हूं कि जो दवाई खरीदी जाती है क्या वह ठीक है, उसका साल्ट ठीक है, इसे देखने के लिए हमारी एक टैक्नीकल कमेटी बनी हुई है, उसमें पी०जी०आई० रोहतक का एक सीनियर डॉक्टर तथा हमारे सिविल सर्जन आदि होते हैं। वे यह देखते हैं कि जो दवाई खरीदनी है उसमें साल्ट ठीक है, जैनिरिक साल्ट है, उसका रेट ठीक है वे इस विषय में अपनी रिकमैंडेशन परचेज कमेटी को भेजते हैं और कमेटी उस पार्टी को बुलाती है और उनसे नैगोसिएशन करती है। जितने कम रेट पर हम उनसे दवाई ले सकते हैं लेने की कोशिश करते हैं। दूसरा प्रश्न इन्होंने डाक्टर्ज द्वारा बाहर की दवाईयां लिखने के बारे में पूछा है। इस विषय में मैं आपके माध्यम से सदन में बताना चाहूंगा कि इस बारे में एक सर्कुलर सभी डॉक्टर्ज को गया हुआ है कि हमारी 181 किस्म की दवाईयां हैं आप किसी को भी बाहर की दवाईयां न लिखें। जिन्होंने बाहर की दवाईयां लिखी हैं, हमारे पास ऐसे 17 केसिज़ आए हैं। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, जिन डाक्टर्ज ने दवाईयां होते हुए भी बाहर की ब्रान्डिड दवाईयां लिखी थीं उनके बारे में हमें कम्पलेंटस मिलीं और हमने उनको चार्जशीट किया है और उनके खिलाफ ऐक्शन लिया जा रहा है। अध्यक्ष महोदय, आज गांव और देहात के लोगों को सरकार की तरफ से ज्यादा से ज्यादा दवाईयां मिल रही हैं।

श्री राजेन्द्र सिंह बिसला : अध्यक्ष महोदय, आदरणीय स्वास्थ्य मंत्री जी से सदन के लिए जानकारी चाहूंगा और मैं यह भी कहना चाहूंगा कि वैसे तो यह प्रश्न तारांकित प्रश्न से रैलेवैंट नहीं है लेकिन मंत्री जी बहुत ही योग्य हैं और ये अपनी योग्यता के आधार पर मेरे प्रश्न का उत्तर दे देंगे। अध्यक्ष महोदय, बढ़ती हुई जनसंख्या आज बहुत बड़ी चिन्ता का विषय बनी हुई है। पढ़े-लिखे लोग छोटा परिवार की विचारधारा को मान कर दो ही बच्चों पर सीमित रहते हैं। लेकिन प्रायः अनुभव है कि जो गांव का किसान है, मजदूर है और पिछड़े वर्ग के लोग हैं। वह फैमिली प्लानिंग के मैथड एडोप्ट करना चाहते हैं नलबन्दी या नसबन्दी करवाना चाहते हैं प्रायः यह देखने में आया है कि लोग इसके लिए होस्पीटल्ज में जाते हैं लेकिन वहां इसके लिए कोई विशेष पोलिसी या अच्छे इन्तजाम नहीं होते जिसके कारण सरकारी होस्पीटल्ज से वे लोग वापस लौट जाते हैं । मैं मंत्री जी से जानकारी चाहूंगा कि हमारे सरकारी होस्पीटल्ज में नलबन्दी या नसबन्दी का जो विभाग है या इस बारे में जो पोलिसी है क्या इसको और मजबूत करने की गुंजाइश है क्योंकि इससे प्रदेश को बड़ा भारी लाभ हो सकता है? क्या मंत्री महोदय सदन को आश्वासन देंगे कि नलबन्दी या नसबन्दी की तरफ विशेष अभियान चलाकर इसको और सुदृढ़ करेंगे ?

डा० एम०एल० रंगा : अध्यक्ष महोदय, सम्मानित सदन के सम्मानित साथी ने नलबन्दी या नसबन्दी के बारे में प्रश्न पूछा है। जनसंख्या में जो वृद्धि लगातार हो रही है उसको रोकने के लिए पहली बार हमारी सरकार ने एक योजना चलाकर परिवार नियोजन को कामयाब करने का काम किया है। इस योजना के तहत हमारा यह प्रयास होगा कि परिवार नियोजन को कैसे

[डा० एम०एल० रंगा]

कामयाब किया जाए, लड़के और लड़की के लिंग का समानुपात कैसे किया जाए और नलबन्दी या नसबन्दी के तहत लोगों को क्या क्या लाभ प्रदान किए जाएं जिससे जनसंख्या वृद्धि रूक सके। अध्यक्ष महोदय, हमारे आदरणीय मुख्यमंत्री जी ने सबसे पहले 25 सितम्बर, 2002 को देवीरूपक योजना लागू कर पहली बार पूरे देश में एक ऐसी योजना लागू की जिससे जनसंख्या नियंत्रित हो सके, महिला और पुरूष विषम अनुपात को रोका जा सके और भ्रूण हत्या की सामाजिक बुराई जो हमारे समाज में आ रही है, उसमें कमी लायी जा सके। इस देवीरूपक योजना के लागू होने के बाद परिवार नियोजन में कामयाबी मिली है। इस योजना के तहत पहली लड़की के बाद अगर कोई आपरेशन करवाता है तो सरकार की तरफ से उसको पांच सौ रूपये महीना बीस साल तक दिए जाएंगे। इसी तरह से पहले लड़के के बाद यदि कोई आपरेशन करवाता है तो दो सौ रूपये महीना बीस साल तक दिए जाएंगे और यदि कोई दम्पत्ति दो लड़कियों के बाद नलबन्दी या नसबन्दी करवाता है तो उसको बीस साल तक दो सौ रूपये महीने के हिसाब से दिए जाएंगे। इसके इलावा हरियाणा के देहात के लिए भी परिवार कल्याण व गर्भवती महिलाओं को सुविधा दी गयी है। इस योजना के तहत सरपंचों को एडवांस में पांच हजार रुपये भिजवाए गए हैं ताकि इंस्टीच्यूशनल डिलीवरी को बढ़ावा दिया जा सके। अध्यक्ष महोदय, गांवों में अनट्रेण्ड दवाईयां ही डिलीवरी करवाया करती थीं और कई कारण डिलीवरी, खराब हो जाया करती थी लेकिन अब पांच हजार रूपये इसलिए दिए गए हैं ताकि गर्भवती महिला को डिलीवरी के वक्त किराये का वाहन उपलब्ध करवा कर उसे शहर में लाकर वहीं पर डिलीवरी करवायी जा सके। अगर उसकी डिलीवरी ठीक होगी तो परिवार सीमित होगा। इस तरह से डिलीवरी खराब होने का अंदेशा नहीं होगा। इसके अलावा नलबन्दी या नसबन्दी के लिए जो हमारे स्वास्थ्य कार्यकर्ता हैं वे गांवों में जाते है और अच्छा काम करने वाले कार्यकर्ताओं को पुरस्कृत कर ईनामात भी दिए जाते हैं । इसी तरह से जो नलबन्दी या नसबन्दी करवाते हैं उनके लिए विशेष अभियान के तहत गाड़ियां घर पर भेजी जाती हैं और उन्हें होस्पीटल्ज में लाकर नलबन्दी या नसबन्दी की सुविधा प्रदान करवायी जाती है। कई जगहों पर समाज सेवी संस्थाओं द्वारा कम्बल या घी आदि भी उनको मुहैया करवाया जाता है ताकि नलबन्दी या नसबन्दी करवाने वालों को प्रोत्साहन मिले। समाज में जो हमारे स्वास्थ्य कर्मी ज्यादा काम करते हैं उन्हें पुरस्कृत किया जाता है। देवीरूपक योजना के तहत सबसे ज्यादा कर्मी पुरस्कृत किए जाएंगे। अध्यक्ष महोदय, यदि पहले किसी ने नलबन्दी या नसबन्दी करवा ली है और यदि वह बाद में किसी कारण से अपनी नलबन्दी खुलवाना चाहता है तो सरकार की तरफ से उसको कुछ धनराशि भी प्रदान करवायी जाती है जिससे वह अपने परिवार को बना सके।

श्री धर्मबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, जैसाकि इन्होंने बताया है 4 करोड़ 35 लाख रुपये के आसपास ये ऐलोपैथिक दवाईयां खरीदते हैं, हमारे प्रदेश की जनसंख्या 2 करोड़ 12 लाख के आसपास हैं। इस हिसाब से प्रति व्यक्ति दो सवा दो रुपये के हिसाब से दवाई बनी। इसके अलावा सरकार का यह भी फैसला है कि 60 साल की उम्र से अधिक के बुजुर्ग को दवाई फ्री दी जाएगी तो इस दो सवा दो रुपये की दवाई से तो काम नहीं चलता फिर ये अलग से धनराशि कहां से लाकर लोगों का इलाज कराते हैं ?

डा० एम०एल० रंगा : अध्यक्ष महोदय, पहली बात तो मैं माननीय सदस्य को यह बताना चाहूंगा कि वे अपने फिग्गर्स करैक्ट कर लें। आज के दिन 4 करोड़ 70 लाख 28 हजार रुपये

की दवाईयां परचेज की जा रही हैं इसके अतिरिक्त मैं कह चुका हूं कि स्वास्थ्य आपके द्वार कार्यक्रम के तहत 5 करोड़ रुपये की राशि अलग से रखी हुई है उससे भी दवाईयां खरीदी जाती हैं। अब की बार 6 करोड़ 40 लाख रुपये की राशि का प्रावधान दवाईयों के लिए है यह हरियाणा सरकार की तरफ से है। टी०बी० के लिए 70 लाख रुपये केन्द्र से आते हैं और दो करोड़ रुपये अलग से आते हैं, आयुर्वेदिक की दवाईयों के लिए अलग से आते हैं कुल मिलाकर यह राशि लगभग 15 करोड़ रुपये से ज्यादा बैठती हैं। जिस समय हरियाणा प्रदेश बना था उस समय 4 लाख 70 हजार रुपये की दवाईयां परचेज की जाती थीं और आज 4 करोड़ रुपये की दवाईयां परचेज़ की जा रही हैं। कुल मिलाकर 410 करोड़ रुपये का बजट है। स्वास्थ्य के हिसाब से 204 रुपये प्रति व्यक्ति हरियाणा सरकार खर्च कर रही है।

डॉ० सीताराम : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि हरियाणा प्रदेश में चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी की सरकार आने के बाद से अब तक कितने हैल्थ अवेयरनैस कैम्प लगाए गए हैं और उन कैम्पस के अंदर आम रोगियों में किस तरह की बीमारियों के लक्षण पाए गए हैं, मैं यह भी जानना चाहूंगा कि उन कैम्पस के बाद उन रोगियों का इलाज किस तरह से किया जाता है, दवाईयां कहां से उपलब्ध करवाई जाती हैं क्या उसके लिए अलग से धनराशि का प्रावधान किया गया है ? कृप्या मंत्री महोदय यह बताने का कष्ट करें ?

डा० एम०एल० रंगा : अध्यक्ष महोदय, चौधरी देवी लाल की नीतियों के अनुसार सरकार आपके द्वार कार्यक्रम की तर्ज पर स्वास्थ्य आपके द्वार कार्यक्रम की योजना तैयार की गई है जिसके तहत 3 साल में आयुर्वेद और ऐलोपैथी के 400 कैम्प लगाए जा चुके हैं इन कैम्प के लिए अलग से हमने 5 करोड़ रुपये की धनराशि का प्रावधान किया हुआ है। कैम्पों में हर स्पैशिलिटी के सुपर स्पैशिएलिटीज के डाक्टर आते हैं वहीं पर रोगियों के स्वास्थ्य की जांच, आई साइट की जांच की जाती है। 60 साल से अधिक आयु के जो बुजुर्ग हैं उनके चश्मों के लिए 1 करोड़ 20 लाख रुपये खर्च करने का टारगेट है क्योंकि एक चश्मे पर लगभग 100 रुपये का खर्च आता है। इसके अलावा टी०बी० ऐड्स की जांच निशुल्क की जाती है। टी०बी० किट्स कार्यकर्ता की देखरेख में दी जाती है और कार्यकर्ता यह सुनिश्चत करता है कि मुफ्त दवाईयां रोगी को मिले और वह बीच में दवाई न छोड़े क्योंकि टी०बी० की दवाई यदि बीच में छोड़ दी जाए तो नये सिरे से पूरा कोर्स फिर से करना पड़ता है इस प्रकार के कैम्प लगातार लगाए जा रहे हैं। इस बार स्वास्थ्य जागरूकता माह चलाया हुआ है इसमें हमने विशाल कैम्प लगाने का निर्णय लिया हुआ है आठ कैम्प लगा चुके हैं। पहला कैम्प तीन दिन का घिराय हल्के के गांव सिसाय में लगा उसमें 15529 रोगियों का चैकअप किया गया, इसी प्रकार दूसरा कैम्प नाथू सिरी चौपटा में लगा उसमें 14470 रोगियों का चैकअप किया गया, घरौन्डा में 11638 रोगियों का चैकअप किया गया। कुंड रिवाड़ी में कैम्प लगा 12705 रोगियों का वहां चैकअप किया गया, बवानी खेड़ा में 9337 रोगियों का और झज्जर में 3 दिन सबसे बड़ा मेला लगा जिसमें 22600 रोगियों की निशुल्क स्वास्थ्य जांच की गई और उनको दवाईयां भी दी गई। क्योडक में 12000, सोनीपत

10.00 बजे

में 12117 रोगियों का चैकअप किया गया। अब नारायणगढ़ और पलवल में कैम्प लगाने का प्रावधान है। इसके माध्यम से हम चाहते हैं कि हरियाणा के हर नागरिक के स्वास्थ्य की जांच हो। माननीय मुख्यमंत्री जी पिछले वर्ष हरियाणा दिवस पर यह फैसला ले चुके हैं कि हरियाणा के हर नागरिक के स्वास्थ्य की जांच उसके घर द्वार पर जाकर की जायेगी । इसके

[डा० एम०एल० रंगा]

तहत अब तक हम गांव-गांव में जाकर 2265 गावों के हर नागरिक के स्वास्थ्य को चैक अप कर चुके हैं। और इस साल 30 अक्तूबर, 2004 तक हम यह चैकअप करेंगे ताकि हरियाणा के हर नागरिक को स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान की जायें।

Liberalization of Devi-Rupak Scheme

***1736. Sh. Bhag Singh:** Will the Minister of State for Health be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to liberalize "Devi-Rupak Scheme" in the State, if so, the detail thereof ?

राज्य स्वास्थ्य मन्त्री (डा० एम०एल० रंगा) : हां श्रीमान् जी, राज्य में देवीरूपक स्कीम पहले ही दिनांक 24-11-2003 से उदारित की जा चुकी है। विवरण संलग्न है।

विवरण

1. मूल स्कीम में प्रावधान था कि यह स्कीम केवल उन शादी-शुदा जोड़ों पर लागू होगी जिनका विवाह 25-9-2002 या इसके बाद हुआ होगा तथा पति की आयु कम से कम 21 वर्ष तथा पत्नी की 18 वर्ष होगी । इसके अतिरिक्त यह भी शर्त थी कि विवाहित जोड़ा बच्चे के जन्म के 3 माह के अंदर परिवार कल्याण का कोई स्थाई तरीका अपनायेगा।

संशोधन

सरलीकृत स्कीम में यह शर्तें हटा ली गई हैं। अब कोई भी जोड़ा जिस में पुरुष की आयु 45 वर्ष तथा महिला की आयु 40 वर्ष हो यह स्कीम अपना सकता है। भले ही उनकी शादी किसी भी तिथि को हुई हो। उन्हें छोटे बच्चे की आयु 5 वर्ष होने से पूर्व परिवार कल्याण का कोई स्थाई तरीका अपनाना होगा।

2. मूल स्कीम में प्रावधान था कि नलबन्दी को खुलवाने के चाहवान अथवा जोड़े में से किसी भी साथी द्वारा पुनः विवाह करने पर अधिकारियों को सूचित ना करने पर उनका लाभ बन्द कर दिया जायेगा तथा पहले की गई अदायगी की रिकवरी कर ली जायेगी।

संशोधन

अब इसमें संशोधन करते हुये पहले की गई अदायगी की रिकवरी की शर्त हटा ली गई हैं केवल आगामी अदायगी रोकने का प्रावधान किया गया है।

अध्यक्ष महोदय, वैसे तो देवी रूपक योजना के बारे में पहले ही मैं विस्तार से बता चुका हूं। लेकिन इस प्रश्न के माध्यम से माननीय सदस्य ने यह पूछा है कि इस योजना के सरलीकरण और उदारीकरण करने के लिए हमने क्या-क्या कदम उठाये हैं। जब कोई योजना पहली बार बनाई जाती है और लागू की जाती है तो निश्चित रूप से उसके लिए सुझाव आते हैं और उन सुझावों के हिसाब से इस देवी रूपक योजना का सरलीकरण किया है। पहले यह था कि 25-12-2002 तक या उसके बाद जिन्होंने शादी की है, नसबन्दी करवाई है या नलबन्दी

करवायी है केवल उन लोगों पर यह योजना लागू होगी। लेकिन सरलीकरण के बाद यह कर दिया गया है कि चाहे शादी हुए कितने ही साल हो गये हों परन्तु मेल की उम्र 45 साल और फिमेल की उम्र 40 साल हो। दूसरा सरलीकरण में पहले यह था कि तीन महीने के अन्दर ही आपरेशन करवाना होगा लेकिन सरलीकरण के बाद यह किया है कि तीन महीने की बजाए पांच साल तक आपरेशन करवाया जा सकता है ताकि पहले और दूसरे बच्चे के बीच अन्तर पांच साल का हो। तीसरा सरलीकरण यह किया है कि नलबन्दी करवाने के बाद भी अगर फिर भी बच्चा पैदा हो जाता है तो सरकार अपने खर्चे पर उस आपरेशन को खुलवाती है और उस व्यक्ति से किसी प्रकार की कोई रिकवरी नहीं की जायेगी । इस स्कीम का सरलीकरण किया है फिर भी सम्मानित सदस्य कोई सुझाव देंगे तो उन सुझावों पर भी विचार कर लेंगे।

श्री राम कुमार नगूरा : स्पीकर साहब, मैं मन्त्री जी के जवाब से सन्तुष्ट हूं।

Reduction in Fuel Consumption in Thermal Power Station

***1721. Shri Ram Phal Kundu, :** Will the Chief Minister be pleased to state whether there has been any reduction in fuel consumption in the State Owned Thermal Power Stations during the period from 1-8-1999 up till now; if so, the total reduction achieved during the said period togetherwith the details thereof along with the financial impact on this account?

मुख्य संसदीय सचिव (श्री रामपाल माजरा) : हां, श्रीमान्।

वर्ष 1998-99 की तुलना में 1-8-1999 से जनवरी, 2004 तक राज्य के अपने थर्मल पावर स्टेशनों में ईंधन की खपत में कमी आई है। इस अवधि के दौरान तेल खपत 12.70 मिलीलीटर से घटकर 3.72 मिलीलीटर प्रति यूनिट रह गई है, जिसके फलस्वरूप 2,05, 762 किलोलीटर तेल की बचत हुई, जिसका मूल्य 207.35 करोड़ रुपए है। इसी प्रकार इस अवधि के दौरान कोयले की खपत 838 ग्राम से घटकर 764 ग्राम प्रति यूनिट रह गई है, जिसके परिणामस्वरूप 11,42,036 मीट्रिक टन कोयले की बचत हुई,जिसका मूल्य 219.01 करोड़ रुपये है। ईंधन की खपत में कमी के कारण कुल 426.36 करोड़ रुपये की बचत हुई।

श्री रामफल कुण्डू : स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से सी०पी०एस० महोदय से यह जानकारी चाहूंगा कि हरियाणा प्रदेश की सरकार ने जो 426 करोड़ रुपये की ईंधन की खपत में अब तक कमी की है वह कौन से कदम उठाकर की है,कृपया बतायें।

श्री रामपाल माजरा : स्पीकर सर, सुधारीकरण के तहत पुर्नगठन किया है और उनका निराकरण करने के लिए मोनीटरिंग की गई है और समस्याग्रस्त क्षेत्रों की पहचान की गई है और उनको ठीक करने के लिए आवश्यक कदम उठाये गये हैं। इसी प्रकार से स्पीकर सर, थर्मल पावर स्टेशंज पर उत्पादन प्रोत्साहन स्कीमें शुरू की गई हैं जिनसे कर्मचारियों को उत्पादन लक्ष्य और तेल की खपत को कम करने के लिए सजग किया है और इसी प्रकार से ओपरेशन मोनीटेरिंग स्टाफ को ट्रेनिंग दी गई है और इसी प्रकार से सैन्ट्रल इलैक्ट्रोनिक एथोरिटी के मार्ग दर्शन में काम किया गया है। इसी प्रकार से नवीनीकरण और आधुनिकीकरण योजना को अपनाकर उसका रिव्यू किया गया है जिससे उत्पादन दर में सुधार हुआ है।

श्री कृष्णलाल पंवार : अध्यक्ष महोदय, यह प्रश्न ऑयल कन्जम्पशन से जुड़ा हुआ है और उसी से संबंधित मेरा प्रश्न है। स्पीकर सर, आपके हल्के के दो गांव कुकराना और सुताना हैं। कुकराना गांव कोल क्रेशर जो थर्मल प्लांट का है उसके साथ लगता है और उस गांव के लोगों की बड़ी ही दयनीय हालत है क्योंकि कोल क्रेशर की सारी डस्टिंग वहीं पर जाती है इसके साथ-साथ वहां सेम की प्रोब्लम भी है। मैं आपके माध्यम से सी०पी०एस० महोदय से जानना चाहूंगा कि क्या सरकार कुकराना गांव को किसी दूसरी जगह बसाने के लिए कोई प्रपोजल बना रही है ? इसके साथ साथ मैं यह भी कहना चाहूंगा कि सुताना गांव की जमीन एसकोन के लिए एक्वायर हो चुकी है। पहले जब थर्मल प्लांट के लिए जमीन एक्वार की गई थी तो लैंड लूजर्स को प्राथमिकता के आधार पर नौकरियां दी गई थीं । क्या अब उस गांव के लैंड लूजर्स को नौकरी में प्राथमिकता दी जायेगी ?

मुख्यमंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : अध्यक्ष महोदय, यह आपके क्षेत्र से जुड़ा हुआ मुद्दा है। जब आप अपने हल्के में जाते हैं तो आप भी उस गांव की हालत देखते होंगे कि कितनी दयनीय है। लोगों की तरफ से भी सरकार के पास इस बारे में रिप्रैजैन्टेशन आई है। मैं पूरे सदन को बताना चाहूंगा कि हम उसको टैक्नीकली एग्जामिन कर रहे हैं। जमीन की कोई कमी नहीं है लेकिन पूरे की पूरी आबादी को कैसे बसाया जाये, किस प्रकार से समुचित ढंग से व्यवस्था की जाये इस पर सरकार गौर कर रही है। हम चाहते हैं कि उनको ज्यादा से ज्यादा सुविधा मिले और वे दिक्कत और कठिनाई से बचें। अध्यक्ष महोदय, जहां तक जोब का सवाल है, इस बारे में मैं बताना चाहूंगा कि यह विभाग टैक्नीकल विभाग है। टैक्नीकल जो लोग होंगे उन्हें मैरिट के हिसाब से नौकरी मिल जायेगी क्योंकि मौजूदा सरकार मैरिट के हिसाब से नौकरियां दे रही है। पुरानी सरकारों की प्रथाएं समाप्त हो गई हैं। पहले वाली सरकारों में नौकरियां नीलाम होती थीं लेकिन अब ऐसा नहीं है सभी को मैरिट के आधार पर नौकरियां मिल रही हैं।

तारांकित प्रश्न संख्या 1714

(यह प्रश्न पूछा नहीं गया क्योंकि इस समय माननीय सदस्य श्री पूर्ण सिंह डाबड़ा सदन में उपस्थित नहीं थे।)

तारांकित प्रश्न संख्या 1727

(यह प्रश्न पूछा नहीं गया क्योंकि इस समय माननीय सदस्या श्रीमती विद्या बेनीवाल सदन में उपस्थित नहीं थीं)

तारांकित प्रश्न संख्या 1685

(यह प्रश्न पूछा नहीं गया क्योंकि इस समय माननीय सदस्य श्री नफे सिंह राठी सदन में उपस्थित नहीं थे।)

तारांकित प्रश्न संख्या 1679

(यह प्रश्न पूछा नहीं गया क्योंकि इस समय माननीय सदस्य श्री शशि परमार सदन में उपस्थित नहीं थे।)

Construction of Roads

***1712. Dr. Raghuvir Singh Kadian, :** Will the Chief Minister be pleased to state —

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct the following link roads :—

(i) Barhana to Chhara ;

(ii) Dubal -dhan to Paharipur;

(iii) Dubal-dhan to Dharana; and

(iv) Majra Dubal-dhan to Siwana; and

(b) if so, the time by which the aforesaid roads are likely to be completed ?

मुख्यमंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) :

(क) तथा (ख) श्रीमान जी, वर्तमान में बराहणा से छारा, दुबलधन से पहाड़ीपुर तथा माजरा दुबलधन से सिवाना योजक सड़कों के निर्माण का कोई प्रस्ताव नहीं है। दुबलधन से धराना सड़क को वित्त वर्ष 2004-05 के दौरान पूरा किया जाने की संभावना है।

डा० रघुबीर सिंह कादियान : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माजरा साहब को बताना चाहूंगा कि बेरी हल्के की सड़कों का मामला मैं शुरू से उठाता आ रहा हूं और कल राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में भी मैंने जिक्र किया था लेकिन 7-8 सड़कें आज तक ठीक नहीं हुई हैं। मुझे लगता है कि बेरी हल्के के साथ सरकार भेदभाव कर रही है, यह बात ठीक नहीं है। बराहणा गांव की आबादी 15 से 16 हजार के करीब है और छारा गांव की आबादी 20-22 हजार के करीब है। इन दोनों गांवों की आपस में बहुत आवा-जाई है। इसलिए मैं आपके माध्यम से मुख्य मंत्री महोदय जी से और रामपाल माजरा जी से अनुरोध करूंगा कि बराहणा से छारा गांव की लिंक रोड़ बनवाई जाए ताकि वहां के लोगों को आया जाई में दिक्कत न हो।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : आदरणीय अध्यक्ष महोदय, कल कृषि मंत्री जी ने बड़ी डिटेल में इस सारे मामले पर चर्चा की थी शायद उससे विधायक पूरी तरह संतुष्ट नहीं हो पाये। मौजूदा सरकार इस सोच के तहत काम नहीं करती कि किस गांव की कितनी आबादी है और वहां पर कितने वोट हैं और न ही यह देखा जाता है कि वह हल्का अपोजीशन का है या रूलिंग पार्टी का । हम प्रदेश में मूलभूत सुविधाएं देने के पक्षधर हैं। मैं सदन की जानकारी के लिए बता दूं कि हमारी सरकार जो घोषणाएं करती है उन पर काम करती है अतीत की सरकारों की तरह नहीं कि पत्थर तो लगा दिए लेकिन उन जगहों पर काम शुरू नहीं हो पाता था। 20-20 साल पहले भजन लाल जी के समय के जो पत्थर लगे हुए थे उन पर भी मौजूदा सरकार ने काम किया है।

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

हमारा काम करने का एक टारगेट होता है और उस टारगेट के मुताबिक ही पूरा काम करते हैं। मौजूदा सरकार ने दो दो दफा सड़कें ठीक की है क्योंकि भगवान की कृपा से अब की बार बारिश भी अच्छी हुई थी जिस कारण सड़कें टूटी थीं। जहां तक बेरी हल्के की सड़कें टूटने की बात है, वहां पर गधों का आवागमन ज्यादा होता है इसलिए वहां पर सड़कें टूट जाती है लेकिन मैं अपने साथी को बताना चाहूंगा कि सरकार की एक सोच है कि सभी को मूलभूत सुविधाएं प्रदान की जाएं। जिन सड़कों का इन्होंने जिक्र किया है उन सभी को ठीक किया जायेगा बल्कि हम तो वहां पर दिल्ली की तरह चांदनी चौक बनाएंगे इसके लिए इनको चिन्ता करने की जरूरत नहीं है।

डा० रघुबीर सिंह कादियान : अध्यक्ष महोदय, अभी सी०एम० साहब ने बड़ी तफसील में बताया कि * * * * * *

श्री अध्यक्ष : इनकी कोई बात रिकार्ड न करें। कादियान साहब, अब आप बैठिये।

Repair of Roads

***1673. Smt. Anita Yadav :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether it is fact that the roads in the villages of Sudhrana, Jhanswa, Sundhrehati in Salhawas Constituency are in dilapidated condition; and

(b) whether there is any proposal under consideration of the Government to repair the aforesaid roads and if so, the time by which these are likely to be repaired ?

मुख्यमंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) :

(क) श्रीमान् जी, सुधराणा, झांसवा तथा सुन्दरेहटी गांवों के अन्दर की सड़कें गांव के मकानों से सड़क पर पानी के बहने से क्षतिग्रस्त हो गई हैं।

(ख) हां, श्रीमान् जी। इन सड़कों की मरम्मत वित्त वर्ष 2004-05 के दौरान किए जाने की संभावना है।

श्रीमती अनीता यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय श्री माजरा जी से यह जानना चाहती हूं कि क्या साल्हावास विधान सभा क्षेत्र के लोगों ने मुझे यहां पर भेज कर कोई गलती की है ? (विघ्न) मुख्य मन्त्री जी या मन्त्री जी जब भी यहां पर जाते हैं तो विकास की बात करते हैं लेकिन मेरे विधान सभा क्षेत्र में विकास के नाम पर भेदभाव किया जा रहा है। कोसली में अभी अभय सिंह जी गए थे पता नहीं किस रोड से या कहां से उनको माहड़ में लेकर आए या पैराशूट से उतारा । मेरे विधान सभा क्षेत्र में सारी सड़कें टूटी हुई हैं। कोसली से झाड़ोदा, कोसली से सुरेली की सड़कें भी टूटी पड़ी हैं। जैसे मैंने कल भी जिक्र किया था और पहले भी मैंने कई बार विधान सभा में बताया है कि अटेली से मातनहेल, कोसली से मातनहेल,

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

कोसली से गुडियानी और जुड्डी से लिलोढ़ गोरिया तक की जो सड़कें हैं उन पर किसी प्रकार का कोई कन्क्रीट तक नहीं डाला गया है और दो-दो फुट के गढ्ढे उनमें पड़े हुए हैं। क्या माननीय मुख्य मन्त्री जी इस बारे में बताने की कृपा करेंगे ?

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदेश की जितनी भी सड़कें टूटी हुई हैं सरकार उन सभी सड़कों की मुरम्मत करवाने के लिए वचनबद्ध है। इस समय मेजें थपथपाई गई (विघ्न एवं शोर)

डा० रघुबीर सिंह कादियान : अध्यक्ष महोदय, * * * * * *

श्री अध्यक्ष : डा० साहब, आप अपनी सीट पर बैठें। (विघ्न) इनकी कोई भी बात रिकार्ड न की जाए।

Anomalies in construction of Ramkali Minor

***1717. Shri Sher Singh, :** Will the Chief Minister be pleased to state whether any anomaly has been detected in the level of Ramkali Minor in the Julana Constituency; if so, whether the aforesaid anomaly has been removed ?

मुख्यमंत्री श्री ओम प्रकाश चौटाला : नहीं, श्रीमान जी ।

आई० जी० (रिटायर्ड) शेर सिंह : स्पीकर सर, माननीय मुख्य मन्त्री जी इस बात को जानते हैं और गांव वाले भी बार-बार रिप्रैजैंट करते हैं कि जो यह माईनर बनाई गई है और इस माईनर से जितनी जमीन को पानी दिया जाना था वह नहीं दिया जा रहा है क्योंकि इस माईनर के अन्दर डिफैक्ट है और जो मेन सुन्दर ब्रान्च है उसके चार फुट ऊपर मोघा रखा गया है। जो मोघा रखा गया है वह डाउनवर्ड की बजाए अपवर्ड की तरफ लगाया गया है और वहां पर लोगों को पानी बहुत कम मिलता है। वहां पर लोगों की बार-बार शिकायतें आई हैं और मुख्य मन्त्री जी भी इस बात को जानते हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं यह जानना चाहूंगा कि अगर यह माईनर बनाई गई थी तो उसका जो मकसद था वह पूरा क्यों नहीं हुआ ?

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदेश की मौजूदा सरकार का एक निर्णय है कि हम हरियाणा प्रदेश की चप्पा चप्पा भूमि को सिंचित करेंगे। किसान के खेत के आखिरी छोर तक पानी जाए इसके लिए नई डिस्ट्रिब्यूट्रीज़ या माईनर्ज़ निकालनी हों, किसी की टेल बढ़ानी हो किसी को राईज करना हो तो सरकार करेगी। अतीत की सरकारों ने किसी व्यक्ति विशेष, को लाभ पहुंचाने के लिए ऐसे लैवल बनाए जिसकी वजह से आगे टेल पर पानी नहीं जाता था और किसी व्यक्ति के खेत में पानी पहुंच जाता था। अध्यक्ष महोदय, इस प्रकार के बिना लैवल के जो मोघे बने हुए हैं उन सब को तोड़ कर लैवल के हिसाब से नहरों को हम ठीक करेंगे ताकि किसान की एक-एक इंच भूमि को पानी मिले। जहां तक मोघे का ताल्लुक है, आई०जी० साहब, आप पुलिस विभाग से आए हैं जबकि यह काम इरीगेशन विभाग के टैक्नीकल लोगों का है, आपके और मेरे बस की यह बात नहीं है।

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

Cases of Dowry deaths registered in the State

***1694. Shri Ram Bhagat :** Will the Chief Minister be pleased to state —

(a) the number of cases of dowry admonition and dowry death registered in the State during the year 2003; and

(b) the steps taken or proposed to be taken by the Govt. to check the atrocities on women?

मुख्य संसदीय सचिव (श्री रामपाल माजरा) :

(क) व (ख) वांछित सूचना सदन के पटल पर रखी जाती है।

विवरण

(क) वर्ष 2003 में दहेज प्रताड़ना व दहेज हत्या के दर्ज मुकदमों की संख्या निम्नलिखित है :--

अपराध का शीर्ष	2003
दहेज प्रताड़ना	1618
दहेज हत्या	214

(ख) सरकार द्वारा महिलाओं पर होने वाले अत्याचारों को रोकने के लिए उठाए गए/उठाए जाने वाले कदमों का विवरण निम्नलिखित है :--

महिलाओं पर अत्याचार रोकने के उपाय

*राज्य पुलिस मुख्यालय में एक पुलिस महानिरीक्षक की देख-रेख में एक विशेष 'महिला विरुद्ध अपराध प्रकोष्ठ' की स्थापना की गई है।

* महिलाओं के प्रति अत्याचारों से भली-भान्ति निपटने के लिए मण्डल स्तर पर महिला पुलिस थानें स्वीकृत किए गए हैं।

*महिलाओं की शिकायतों पर त्वरित कार्यवाही करने के लिए राज्य मुख्यालय एवं सभी पुलिस मण्डलों पर 24 घण्टे उपलब्ध 'महिला हैल्प लाईन' सेवा आरम्भ की गई है।

*जिला स्तर पर 'महिला विरुद्ध अपराध सैल' स्थापित किए गए हैं ताकि समझा-बुझा कर आपसी मतभेद के मामले सुलझाए जा सकें।

*महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों की रोकथाम तथा महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए राज्य भर में कई परामर्श गोष्ठी/सेमीनार/वर्कशाप जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए । दो राष्ट्रीय सेमीनार 'घरेलू हिंसा' व 'कार्यस्थल पर नैतिक उत्पीड़न' हरियाणा पुलिस द्वारा चण्डीगढ़ में क्रमशः दिनांक 8-1-2003 व 17-4-2003 को आयोजित किए गए।

*महिला विरुद्ध अपराध के सभी अभियोग स्पैशल रिर्पोटिड अभियोगों की श्रेणी में रखे गए हैं जिनके अनुसंधान व अभियोजन की प्रगति राज्य व मण्डल मुख्यालय पर मोनिटर की जाती है। ऐसे सभी अभियोगों का सत्यापन राजपत्रित अधिकारी द्वारा किया जाता है।

*दहेज लेने, देने अथवा दहेज को प्रोत्साहन देने को हरियाणा सरकार के कर्मचारियों की सेवा नियमावली में दुराचरण परिभाषित किया गया है।

*भ्रूण हत्या को रोकने और पुरूष एवं स्त्री का अनुपात बढ़ाने के लिए राज्य में 'देवी रूपक' योजना लागू की गई है।

प्रो० राम भगत : अध्यक्ष महोदय, महिलाओं की सुरक्षा और उनको मान सम्मान देने के लिए हरियाणा सरकार ने बहुत ही अच्छा कदम उठाया है जिसके विषय में रिकार्ड सदन के पटल पर भी रखा गया है। विशेषकर माननीय मुख्यमंत्री जी ने महिलाओं की सुरक्षा और उनके मान सम्मान को बढ़ाने के लिए और राजनीति में उनकी स्थिति मजबूत करने के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण विधान सभा में देने के लिए कहा है। मैं समझता हूं कि इस तरीके से महिलाएं अपने अधिकारों की अच्छी तरह से रक्षा कर पाएंगी । इसके साथ मैं मंत्री महोदय से यह भी जानकारी चाहूंगा कि क्या मौजूदा हालातों में हमारी स्टेट के किसी सिटिंग एम०एल०ए० या किसी नामी गिरामी व्यक्ति के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का मामला दर्ज हुआ है यदि हुआ है तो उसकी डिटेल क्या है ?

श्री राम पाल माजरा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि ऐसा मामला दर्ज हुआ है और भूपेन्द्र सिंह हुड्डा के खिलाफ दर्ज हुआ है। इनके अगेन्स्ट दहेज का केस है। यह मुकदमा नम्बर 12 दिनांक 19-1-2001 धारा 498A, 406 34 भाग-थाना सैक्टर 19, पंचकूला में दर्ज हुआ है। दिनांक 19-1-2001 को (श्रीमती) सविता, पुत्री श्री धर्मपाल मकान नं० 175 सैक्टर 14 पंचकूला ने इसकी शिकायत की है। उसकी शादी 28-12-2000 को दिपेन्द्र सिंह पुत्र श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जाटवासी मकान नम्बर 237-सी, कैलाश नगर, नई दिल्ली में हुई थी। अध्यक्ष महोदय, शादी में उसके मां-बाप ने 25 लाख रुपए खर्च किए थे। जिसमें 5.25 लाख की एफ०डी०, 18 लाख के जेवर, टीका इत्यादि की रस्मों पर मिलाकर टोटल 25 लाख रूपए खर्च किए गए थे। (शोर एवं व्यवधान) स्पीकर सर, हमारे साथी राम भगत जी ने प्रश्न किया था और मैं उसका जवाब दे रहा हूं। लेकिन कादियान जी बिना बात के सदन में इस तरह का व्यवहार कर रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

सदस्यों का नाम लेना

डा० रघुबीर सिंह कादियान : अध्यक्ष महोदय, यह मामला सब-ज्यूडिस है और इस विषय में यहां पर बोलना ठीक नहीं है। **(इस समय डाक्टर रघुबीर सिंह कादियान बोलते बोलते सदन की वैल में आ गए।)** अध्यक्ष महोदय, यह मामला सब-ज्युडिस है।

श्री अध्यक्ष : कादियान जी, आप अपनी सीट पर जाएं। (शोर एवं व्यवधान) मैं आपको कह रहा हूं कि आप अपनी सीट पर जाएं। **(इस समय कैप्टन अजय सिंह यादव, श्री जय प्रकाश बरवाला, श्रीमती अनिता यादव, श्री शादी लाल बत्रा, श्री शेर सिंह बोलते बोलते सदन की वैल में आ गए।)**

डा० रघुबीर सिंह कादियान: अध्यक्ष महोदय, यह मामला कोर्ट में है और इनको इस तरह से यहां यह बात नहीं करनी चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : आप सभी अपनी सीटों पर जाएं। सदन के सदस्य ने अपना सवाल किया है और मंत्री जी अपना जवाब दे रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान) आप अपनी सीटों पर जाएं। कादियान जी आप अपनी सीट पर जाएं। (शोर एवं व्यवधान) कादियान जी, मैं आपको वार्न करता हूं कि आपको नेम कर दिया जाएगा। आप अपनी सीट पर जाएं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री रामपाल माजरा : अध्यक्ष महोदय, मेरे माननीय साथी ने सदन में एक शंका जाहिर की थी, अपना सवाल पूछा था, मैं उसी का जवाब दे रहा हूं । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: कादियान जी, मैं आपको वार्न करता हूं आप अपनी सीट पर जाएं। (शोर एव व्यवधान) जय प्रकाश जी, आप भी अपनी सीट पर जाएं। (शोर एवं व्यवधान) आप सभी अपनी अपनी सीटों पर जाएं। (शोर एवं व्यवधान) कादियान जी, आप अपनी सीट पर जाएं, (शोर एवं व्यवधान) आप सभी सदस्यगण जो सदन की वैल में खड़े हैं, अपनी अपनी सीटों पर जाएं। (शोर एवं व्यवधान) जय प्रकाश जी, आप अपनी सीट पर जाएं। मैं आपको वार्न करता हूं (शोर एवं व्यवधान) डा० रघुबीर सिंह कादियान।। Name you. आप सदन से बाहर चले जाएं। (शोर एवं व्यवधान) आप सदन से बाहर चले जाएं वरना मार्शल के द्वारा आपको बाहर निकाला जाएगा। (शोर एवं व्यवधान) आप सब अपनी सीटों पर बैठ जाएं। (शोर एवं व्यवधान)

(इस समय डा० रघुबीर सिंह कादियान सदन से बाहर चले गए)

प्रो० राम भगत : स्पीकर सर, मेरे सवाल का पूरा जवाब नहीं आया है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : राम भगत जी ने अपना सवाल पूछा है और मंत्री जी उसका जवाब दे रहे हैं। ये जो कुछ भी बोल रहे हैं वह कुछ भी रिकार्ड नहीं किया जाए।

(इस समय बहुत से सदस्य अपनी सीटों पर और सदन की वैल में खड़े होकर बोलते रहे।)

चौ० जय प्रकाश : स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : जय प्रकाश जी, मैं आपको वार्न करता हूं । आप अपनी सीट पर बैठ जाएं। (शोर एवं व्यवधान) जय प्रकाश जी, मैं आपको नेम करता हूं। आप सदन से बाहर चले जाएं। (शोर एवं व्यवधान)

(इस समय चौ० जय प्रकाश सदन से बाहर चले गए।)

श्री रामकिशन फौजी : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है । (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : फौजी साहब, आप बैठ जाएं। माजरा साहब, आप अपनी बात पूरी करें।

श्री रामपाल माजरा : स्पीकर सर, दिनांक 29-2-2002 को शादी में करीब तीस हजार व्यक्ति शामिल हुए थे। इस अवसर पर लाखों रुपये की नकदी और जेवरात उपहारों के रूप में इक्ट्ठे हुए जिसको मेरी सास आशा देवी हुड्डा ने लिया और कहा कि यह रुपया दान देना है। मेरी सास मौका मिलते ही कहती थी कि एक करोड़ रुपये दीपेन्द्र की शादी में मिलने थे वह डुबो दिए। एक जनवरी 2003 को मेरी सास आशा देवी और दीपेन्द्र सिंह ने कहा कि वीजा लगवाना है इसलिए अपने बाप की अचल सम्पत्ति के कागजात, ए०टी०एम० कार्ड, क्रेडिट कार्ड और बैंक बैलेंस शीट लाओ, अन्यथा बाहर के लोगों की निगाह में तो शादी हो गयी है। लेकिन हम तुम्हें अलग रखेंगे। 3 जनवरी, 2003 को मेरे पति दीपेन्द्र ने कहा कि हनीमून पर जाना है आधा खर्चा दो । मैंने बीस हजार रुपये दे दिए। 5 जनवरी, 2003 को दीपेन्द्र की मां और दीपेन्द्र की ताई श्रीमती सरोज पत्नी जोगिन्द्र सिंह ने कहा कि तूने एक साल चण्डीगढ़ के सैक्टर 32 के अस्पताल में जो नौकरी करी है वह वेतन भी चाहिए। सरोज ने कहा कि अगर वह लेकर नहीं आयी तो गर्म चिमटे लगाए जाएंगे। फिर 17 जनवरी, 2003 को दीपेन्द्र विदेश चला गया और वहां से टेलीफोन किया कि अपने मां बाप से गाड़ी लाओ। जब मैं वापस सुसराल आयी तो सबका रुखा व्यवहार था। मेरे ससुर श्री हुड्डा ने कहा कि हमें कम से कम मर्सडीज कार की उम्मीद थी। मेरी सास ने कहा कि हम चुनाव लड़ते हैं इसके लिए पैसा तो चाहिए। रात को एक बार दरवाजा देर से खोलने पर मेरी सास ने मेरे को थप्पड़ मारा और मेरे को कहा कि हम राजनैतिक आदमी हैं इसलिए हमारे घर डॉक्टर की कोई अहमियत नहीं है। तेरा बाप सरकारी अधिकारी है पैसा लेकर आओ। मैंने 11मई को घर जाकर अपने मां और बाप को उपरोक्त सारी बातें बतलायीं जिनको सुनकर उन्हें गहरा धक्का लगा। इसके बाद भूपेन्द्र सिंह हुड्डा और दीपेन्द्र हुड्डा का मामा चन्द्रसैन पंचकूला आया और कहा (विघ्न)

श्री भजनलाल : अध्यक्ष महोदय, यह मामला कोर्ट में है फिर इस बारे में इनको बताने की क्या जरूरत है ?

मुख्यमंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : अध्यक्ष महोदय, यह महिलाओं के संरक्षण से जुड़ा हुआ मुद्दा है। सदन के सम्मानित सदस्य सारी बातों को समझते हैं। यदि कहीं किसी सम्मानित सदस्य की तरफ से प्रश्न पूछा जाए तो उसका उत्तर दिया जाता है। चूंकि यह मामला विशेष रूप से विपक्ष के नेता का पारिवारिक मामला है इसलिए हम पारिवारिक मामलों में दखल नहीं दिया करते । अच्छा यही रहेगा कि स्वयं विपक्ष के नेता सारे मामले को स्पष्ट कर दें कि क्या मामला है क्योंकि इस बारे में बड़ी चर्चाएं चलती हैं। हालांकि हम उसमें जाना नहीं चाहते। हम तो

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

पारिवारिक मामला सुलझाए जाने के पक्षधर हैं अगर कोई विवाद और बखेड़ा है तो वह आपस में इन दोनों में है हमारा तो इसमें दखल नहीं है। अगर कहीं कोई पर्चा भी दर्ज करवाया है तो वह इनके प्रयासों से हुआ है। अध्यक्ष महोदय, अगर कोई फैसला होगा तो ठीक है लेकिन यह विपक्ष के नेता से जुड़ा हुआ मुद्दा है इसलिए मैं भूपेन्द्र सिंह हुड्डा से अनुरोध करूंगा कि वे इस बारे में स्पष्ट कर दें ताकि रोज रोज की चर्चा समाप्त हो जाए।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, मैं समझता हूं कि इस बारे में जो हमारे साथी एफ०आई०आर० पढ़ रहे थे तो सबको इस केस की स्थिति मालूम है। यह केस सब ज्युडिस है और एक मुकदमा मेरे और मेरे परिवार के खिलाफ दर्ज हुआ है। यह एक सोशल प्रॉब्लम है पारिवारिक बातें हैं। इस केस में आज के दिन मेरी ऐंटीसिपेटरी बेल सैशन कोर्ट से मंजूर हो चुकी है और इस बारे में जो कोर्ट की आब्जर्वेशन है वह भी सबको मालूम है। अध्यक्ष महोदय, मैं इस बारे में इतना ही कहना चाहता हूं इससे ज्यादा नहीं कहना चाहता । सब ज्युडिस मामला है। इसमें सच्चाई की जीत होगी क्योंकि यह झूठा मुकदमा है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : ठीक है, इसके लिए ज्यादा बवाल मचाने की क्या आवश्यकता है। यह तो आप दोनों का मामला था वैसे ही तय कर लेते यहां तक लाने की जरूरत ही नहीं थी। (शोर एवं व्यवधान) फौजी बैठ जा, यह आपकी बात नहीं है। यह आपकी समझ से बाहर की बात है। आप कहां बीच में पड़ते हैं।

श्री अध्यक्ष : फौजी साहब, आप बैठ जाएं। अब प्रश्न काल समाप्त होता है।

नियम 45 (1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर

Overloading on 11KV Feeders

***1726. Shri Ramesh Kumar Khatak :** Will the Chief Minister be pleased to state —

(a) Whether it is a fact that 11 KV feeders in the State are overloaded; and

(b) If so, whether any step has been taken or proposed to be taken to reduce the load of feeders as in part (a) above, alongwith the details of overloaded 11 KV feeders bifurcated during the last four years?

मुख्यमंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) :

(क) हां श्रीमान।

(ख) राज्य में सभी ऐसे अधिभारित फीडरों का द्विभाजन, त्रिभाजन तथा कंडक्टर की वृद्धि करके अधिक भार को कम करने के लिए कदम उठाए गए हैं। 2640 नं० 11के०वी० फीडरों जोकि दिनांक 1-8-1999 को अस्तित्व में है, में से 467 नं० 11 के०वी० फीडरों की पहली बार द्विभाजन, त्रिभाजन तथा वृद्धि के लिए

पहचान की गई थी। 297 ऐसे 11 के०वी० फीडरों का द्विभाजन, त्रिभाजन तथा वृद्धि 31-1-04 तक पूर्ण कर ली गई है और ऐसे 170 फीडरों पर यही कार्य प्रगति में है जोकि 30-9-2004 से पूर्व पूर्ण होना सम्भावित है। 11 के०वी० फीडरों पर भार का बढ़ना एक निरन्तर प्रक्रिया है। इसलिए अधिभारित 11 के०वी० फीडरों की पहचान करना जारी रखने की योजना बनाई गई है ताकि नियमित निरन्तर प्रणाली सुधार कार्य के रूप में इनका द्विभाजन या त्रिभाजन किया जा सके।

Swasthay Apke Dwar

***1735. Sh. Deena Ram, :** Will the Minister of State for Health be pleased to state —

(a) whether there is any scheme under consideration of the Government to adopt the villages under the programme Swasthya Aapke Dwar ; and

(b) If so, the details thereof?

डा० एम०एल० रंगा (स्वास्थ्य राज्य मंत्री) :

(क) जी, हां।

(ख) सरकार द्वारा दिनांक 1-11-2003 को स्वास्थ्य आपके द्वार स्कीम को प्रारम्भ किया गया। इस स्कीम के अंतर्गत राज्य की सभी जनता को उनके द्वार पर जाकर स्वास्थ्य निरीक्षण किया जाना है। उन द्वारा एनीमिया, टी०बी०, लैप्रोसी, हृदय रोग, दंत्य बीमारी, एस०टी०डी०, नेत्रजांच आदि का निरीक्षण किया जाएगा। राज्य की जनता को इस स्कीम की जानकारी देने के लिए भरपूर प्रचार किया जा रहा है ताकि इसका सभी लाभ उठा सकें।

Construction of Bridge over WJC

***1707. Shri Bhim Sain Mehta, :** Will the Chief Minister be pleased to state whether the foundation stone of a bridge was liad down by the Chief Minister on W.J.C. in Indri Constituency about three years ago; if so, the time by which the construction work is likely to be started thereon together with time by which it is likely to be completed?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : श्रीमान् जी, इन्द्री में डब्लयू०जे०सी० पर पुल का नींव पत्थर मुख्य मंत्री द्वारा 31-7-2001 को रखा गया था।

इस पुल के निर्माण के लिए निविदाएं पहले ही आमन्त्रित कर ली गई हैं जो 11-2-2004 को खोली जानी हैं। अलाटमैन्ट के उपरान्त कार्य तुरन्त शूरू हो जाएगा जिसके 12 मास की अवधि में पूर्ण हो जाने की संभावना है।

Water level from Satnali Canal to Kadma Minor

***1699. Shri Ranbir Singh :** Will the Chief Minister be pleased to state —

(a) whether the level from pump House No. 6 of Satnali Canal to Kadma Minor is even; if so, the reason due to which the water does not flow therein; and

(b) if the reply to part 'a' above be in negative, the time by which it is likely to be levelled?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) :

(क) कादमा माइनर का स्तर सतनाली फीडर के पम्प हाउस नं० 6 से लेकर डिजाईन के अनुसार है। आमतौर पर कादमा माइनर में पानी रहता है, लेकिन जब बिजली न हो अथवा महेन्द्रगढ़ कैनाल या सतनाली फीडर के पम्प खराब हों, तो रूकावट आती है।

(ख) उपरोक्तानुसार कार्यवाही की जरूरत नहीं है।

Opening of College in Village Selang, District Mahendergarh

***1660. Shri Dan Singh :** Will the Minister of State for Education be pleased to state —

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to open a College in village Selang District Mahendergarh; and

(b) if so, the time by which the aforesaid proposal is likely to be materialized ?

शिक्षा राज्य मंत्री (चौ० बहादुर सिंह) :

(क) नहीं, श्रीमान् जी, ।

(ख) उक्त (क) के उत्तर के दृष्टिगत प्रश्न ही पैदा नहीं होता।

Increase in Power Supply

***1738. Shri Balwant Singh Sadhaura, :** Will the Chief Minister be pleased to state the increase in total power supply in the State during the period from 1-8-1999 up till now alongwith the detail of the corresponding increase in power supply to the rural areas?

मुख्यमन्त्री (श्री ओमप्रकाश चौटाला) : राज्य में 1-8-1999 से बिजली की आपूर्ति में महत्वपूर्ण सुधार हुआ है। राज्य में वर्ष 1998-99 के दौरान औसत बिजली की आपूर्ति 367 लाख यूनिट प्रतिदिन से बढ़कर 1999-2000 में 415 लाख यूनिट प्रतिदिन, 2000-01 में 447 लाख यूनिट प्रतिदिन तथा 2001-02 में 475 लाख यूनिट प्रतिदिन, 2002-03 में 519 लाख यूनिट प्रतिदिन तथा चालू वर्ष के दौरान दिसम्बर 2003 के अन्त में 561 लाख यूनिट प्रतिदिन हो गई है। इस प्रकार वर्ष 1998-99 की तुलना में चालू वर्ष के दौरान बिजली की आपूर्ति में 53 प्रतिशत वृद्धि हुई है।

वर्ष 1998-99 की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों को दी गई बिजली की आपूर्ति में 57% अनुरूप वृद्धि हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों में औसत बिजली की आपूर्ति वर्ष 1998-99 में 184 लाख यूनिट प्रतिदिन से बढ़ कर वर्ष 1999-00 में 220 लाख यूनिट प्रतिदिन, वर्ष 2000-01 में 234 लाख यूनिट प्रतिदिन, वर्ष 2001-02 में 244 लाख यूनिट प्रतिदिन, वर्ष 2002-03 में 271 लाख यूनिट प्रतिदिन तथा वर्ष 2003-04 (दिसम्बर अन्त) में 289 लाख यूनिट प्रतिदिन हो गई है।

Regularisation of Un-authorised Colonies of Rewari

***1587. Capt. Ajay Singh Yadav :** Will the Minister of State for Urban Development be pleased to state —

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to regularize various un-authorised Colonies namely Shakti Nagar, Ram Singh Pura, Azad Nagar, Anand Nagar, Shiv Colony, Sadhu Shah Nagar, Indra Colony, Ajay Nagar, Yadav Nagar, Vikas Nagar, Subhash Nagar, Gandhi Nagar and other Colonies within the Municipal Limits of Rewari Municipal Committee;

(b) whether it is a fact that the resident of these colonies are paying House Tax; and

(c) if so, the time by which the aforesaid colonies are likely to be regularized ?

शहरी विकास राज्य मंत्री (श्री सुभाष गोयल) :

(क) हां, श्रीमान् जी,

(ख) हां, श्रीमान् जी,

(ग) नगरपरिषदों से विस्तृत प्रस्तावना की प्रतीक्षा है, इसीलिए इसके लिए कोई समय सीमा निर्धारित नहीं की जा सकती ।

Construction of Over Bridge in Kaithal City

***1603. Shri Lila Ram :** Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct an over bridge on the Railway crossing near Nai Anaj Mandi in City Kaithal; if so, the details thereof ?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : नहीं, श्रीमान् जी, ।

सदस्यों का निलम्बन

Finance Minister (Prof. Sampat Singh) : Sir, I want to move a motion.

Mr. Speaker : You may move.

Finance Minister (Prof. Sampat Singh) : Sir I beg to move—

> That Shri Raghubir Singh Kadian and Shri Jai Parkash Barwala, M.LA.s be suspended from the service of the House for the remainder of the present Session for their misconduct, most irresponsible behaviour, unbecoming of the member of this august House and their grossly disorderly conduct in the House.

Mr. Speaker : Motion moved—

> That Shri Raghubir Singh Kadian and Shri Jai Parkash Barwala, M.LA.s be suspended from the service of the House for the remainder of the present Session for their misconduct, most irresponsible behaviour, unbecoming of the member of this august House and their grossly disorderly conduct in the House.

Mr. Speaker : Question is —

> That Shri Raghubir Singh Kadian and Shri Jai Parkash Barwala, M.LA.s be suspended from the service of the House for the remainder of the present Session for their misconduct, most irresponsible behaviour, unbecoming of the member of this august House and their grossly disorderly conduct in the House.

The motion was carried.

वाक-आउट

चौ० भजन लाल : अध्यक्ष महोदय मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है । (शोर एवं व्यवधान)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, मेरा भी प्वायंट ऑफ आर्डर है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : क्या आप दोनों एक साथ बोलेंगे ?

चौ० भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, जिन सदस्यों को हाउस से निकाला गया है। उन सदस्यों ने कोई ऐसी बात नहीं की है कि उन्हें हाउस से निकाला जाए।

श्री अध्यक्ष : वे दोनों मैंबर मेरी चेयर के पास तक आए। आप दोनों उन्हें रोकने के लिए नहीं आए। आप भी अपनी सीट पर थे, आप क्यों नहीं आए थे। हुड्डा साहब भी बैठे थे।

चौ० भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, वे आपका ध्यान खींचने के लिए आपकी सीट के पास आए थे। आप इतनी ज्यादती नहीं कीजिए। मैं सत्तापक्ष से भी कहूंगा कि इस प्रस्ताव को वे वापस लें और मैम्बर्स को बुलाइए।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, जिस बात के लिए उनको उत्तेजना हुई वह यह थी कि उनके साथी का नाम आया था, वे अपनी जगह सही थे। मेरे स्पष्टीकरण से जो बात मैंने कहीं है उससे वह बात हाउस में खत्म हो चुकी है मेरा आपसे निवेदन है कि उनको आप वापस बुला लीजिए। आप वापस नहीं बुलाते हैं तो हमें मजबूरन वाकआउट करना पड़ेगा। हम नहीं चाहते कि राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर दिए जाने वाले जवाब में हम उपस्थित न रहें।

चौ० भजन लाल: स्पीकर साहब, आप ऐसी ज्यादती करते हैं तो हम वाकआउट करते हैं। अगर आप मैंबर्स को ऐसे नेम करके बाहर निकाल देते हैं तो यह हाउस क्या रहा जाएगा। स्पीकर साहब, हम ऐज ए प्रौटैस्ट सदन से वाकआउट करते हैं। **(इस समय भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के सदन में उपस्थित सभी सदस्य सदन से वाक-आउट कर गए।)**

ध्यानाकर्षण प्रस्ताव

सारे प्रदेश में रबी की पैदावार को हाल ही में ओलावृष्टि के कारण हुए भारी नुक्सान संबंधी।

Mr. Speaker : Honourable Members, I have received an adjournment motion given notice of by Capt. Ajay Singh and other MLAs regarding heavy damage caused to Rabi crops due to recent hailstorm in the whole State. I have converted this adjournment motion into the Calling Attention Motion and have admitted it for today. Capt. Ajay Singh may read his notice.

कैप्टन साहब, आपका ऐडजर्नमैंट मोशन आया है उसको हम कन्वर्ट करके कालिंग अटैंशन मोशन ऐडमिट करते हैं। Capt. Ajay Singh may read his notice. मैम्बर है ही नहीं।

कैप्टन अजय सिंह यादव : मैं पढ़ रहा हूं सर।

श्री अध्यक्ष : आपने वाक-आउट किया है या नहीं ?

कैप्टन अजय सिंह यादव : हां सर, किया था अब वापस आ गया हूं।

श्री अध्यक्ष : वाक-आउट किया तो यह भी खत्म हुआ। चूंकि जब मैंने आपका नाम लिया उस समय हाउस में नहीं थे इसलिए यह कालिंग अटैंशन मोशन खत्म हुआ।

नियम 30 के अधीन प्रस्ताव

Mr. Speaker : Now, the Parliamentary Affairs Minister will move the motion under Rule 30.

Finance Minister (Prof. Sampat Singh) : Sir, I beg to move—

> That rule 30 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly be suspended and Government business be transacted, on Thursday, the 12th February, 2004.

Mr. Speaker : Motion moved—

> That Rule 30 of the Rules Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly be suspended and Government business be transacted on Thursday, the 12 February, 2004.

Mr. Speaker : Question is —

> That Rule 30 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly be suspended and Government business be transacted on Thursday, the 12 February, 2004.

The motion was carried.

वाक-आउट

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मैंने आपकी सेवा में एक कालिंग अटैंशन मोशन दिया था। अंधे बच्चों को जेल में डाल दिया है। यह कालिंग अटैंशन मोशन उसके बारे में है।

श्री अध्यक्ष : वह डिसअलाऊ हो गया है।

श्री कर्ण सिंह दलाल : डिसअलाऊ कर दिया है उसमें मुझे कोई ऐतराज नहीं है लेकिन मेरा अनुरोध है कि वे अंधे हैं, लाचार हैं उनकी पुलिस ने पिटाई करके उनको जेल में डाल दिया है, सरकार को उनकी मरहम पट्टी का इंतजाम तो करना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, आपने जिन दो माननीय सदस्यों को सस्पैंड किया है उसके विरोध में मैं भी सदन से वाक-आउट करता हूं।

(इस समय रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के एक मात्र सदस्य श्री करण सिंह दलाल सदन से वाक-आउट कर गये।)

चौ० जगजीत सिंह : अध्यक्ष महोदय, आपने जिन दो माननीय सदस्यों को सस्पैंड किया है उसके विरोध में मैं भी सदन से वाक-आउट करता हूं।

(इस समय राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के एक मात्र सदस्य श्री जगजीत सिंह सदन से वाक-आउट कर गये।)

समिति की रिपोर्ट प्रस्तुत करना

Mr. Speaker : Hon'ble Members, now, Shri Krishan Lal Panwar, Chairperson, Committee on Public Accounts will present the Fifty Fifth Report of the Committee on Public Accounts for the year 2003-2004 on the Appropriation Accounts/Finance Accounts of the Haryana Government for the year 2001-2002.

Shri Krishan Lal Panwar: (Chairperson, Committee on Public Accounts) : Sir I, beg to present the Fifty Fifth Report of the Committee on Public Accounts for the year 2003-2004 on the Appropriation Accounts/ Finance Accounts of the Haryana Government for the year 2001-2002.

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

Mr. Speaker : Hon'ble Members, now, discussion on the Governor's Address will be resumed कल सभी माननीय सदस्यों से बार-बार रिक्वैस्ट की गई कि कोई सदस्य अगर गवर्नर एड्रेस पर बोलना चाहता है तो वह बोल ले लेकिन कोई भी सदस्य बोलने के लिए मौजूद नहीं था इसलिए सदन को एडजर्न करना पड़ा। क्योंकि सदन में दो दिन तक राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा चली है (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मुझे बोलने के लिए आपने समय नहीं दिया । मैं राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलना चाहता हूं।

श्री अध्यक्ष : आप जब सदन में कल मौजूद ही नहीं थे तो फिर आपको समय कहां से मिलता। इसलिए आप बैठ जाईये।

श्री कंवर पाल : अध्यक्ष महोदय, मुझे भी बोलने का समय नहीं मिला है। मैं भी बोलना चाहता हूं।

श्री अध्यक्ष : आप जब सदन में कल मौजूद ही नहीं थे तो फिर आपको समय कहां से मिलता ? इसलिए आप बैठ जाईये। आप भी कल कृष्णपाल गुर्जर जी के साथ सदन से नदारद हो गये थे इसलिए अब आप बैठ जाईये। अब मैं माननीय मुख्यमंत्री जी से अनुरोध करूंगा कि वह राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर हुई चर्चा पर अपना रिप्लाई दें।

मुख्यमंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : आदरणीय अध्यक्ष महोदय और इस सम्मानित सदन के सभी सम्मानित सदस्यगण। अध्यक्ष महोदय, हम राज्यपाल महोदय के द्वारा प्रस्तुत इस अभिभाषण पर चर्चा कर रहे थे। मैं आभार व्यक्त करता हूं महामहिम जी का जिन्होंने नीतियों और तथ्यों से परिपूर्ण इतना शानदार अभिभाषण इस सदन के समक्ष प्रस्तुत किया है इसमें सरकार की सारी उपलब्धियों को उजागर किया है और इस सबके लिए आप भी बधाई के पात्र हैं। (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलाल : स्पीकर महोदय, आपने मुझे अभिभाषण पर बोलने नहीं दिया । मुझे भी अपने हल्के की बात सरकार के समक्ष रखनी थी।

श्री अध्यक्ष : आप जब सदन में कल मौजूद ही नहीं थे तो फिर आपको समय कहां से मिलता ? इसलिए आप बैठ जाईये ! सदन के नेता खड़े हैं

श्री कर्ण सिंह दलाल : स्पीकर सर, सदन के नेता खड़े हैं तो क्या मुझे भी तो बोलने का मौका दिया जाये।

श्री अध्यक्ष : जब कोई सदस्य सदन में था ही नहीं तो कैसे बुलाया जाये ?

चौ० भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, मेरी आपसे अर्ज है कि ये सदन के सीनियर मैम्बर हैं कल किसी कारण से ये सदन में उपस्थित नहीं होंगे इसलिए इनको बोलने का मौका दिया जाये।

श्री अध्यक्ष : बार-बार पूछा गया लेकिन जब कोई सदस्य सदन में था ही नहीं तो कैसे बुलायाया जाये ?

चौ० भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, कहीं चले गये होंगे इन्हें बोलने का समय दिया जाये ताकि हम अपनी बात कह सकें।

श्री अध्यक्ष : भजन लाल जी, न तो ये आपकी पार्टी के मैंबर हैं और न बी०जे०पी० वाले आपकी पार्टी के हैं और कांग्रेस में आपके पीछे कोई है नहीं । इस समय भी आपके पीछे कोई नहीं बैठा, आप मुड़कर देखें कि आपकी पार्टी का कोई मैंबर आपके पीछे नहीं है।

चौ० भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, कर्ण सिंह दलाल एक सीनियर मैंबर हैं और ये मंत्री भी रहे हैं। यदि आप इनको 10 मिनट राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने का अवसर दे देंगे तो बहुत अच्छा होगा।

वित्त मन्त्री (प्रो० सम्पत सिंह) : अध्यक्ष महोदय, आपने कल बड़ी फ्राखदिली से विपक्ष के सभी साथियों को महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने का अवसर दिया। आपने विपक्ष के साथियों को इतना समय दिया कि कांग्रेस के साथियों ने तो कल बोलने के लिए ही इनकार कर दिया था।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय मैंने कब इनकार किया ?

प्रो० सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, यह हरियाणा के हाउस में पहली बार हुआ है कि स्पीकर विपक्ष के साथियों को बोलने के लिए कहे और वे मना करें। अध्यक्ष महोदय, कल लीडर ऑफ अपोजीशन को आपने बोलने के लिए कहा और उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी का कोई सदस्य आज नहीं बोलेगा। जहां तक कर्ण सिंह दलाल जी के बोलने की बात है स्पीकर सर, यह तो आपने देखना है कि कब कौन मैंबर बोलेगा। यह राईट सदन के किसी सदस्य को नहीं है, आपको है कि किस सदस्य को कब बुलाना है और कितना-कितना समय किस को देना है। कल विपक्ष के साथी कह रहे थे कि विपक्ष के ही सारे सदस्यों को बुला रहे हैं सत्ता पक्ष के किसी सदस्य को नहीं बुला रहे। अध्यक्ष महोदय, हमारा एक ही सदस्य बोला था जिस पर कर्ण सिंह दलाल वाक -आउट करके चले गये थे। शुरु में राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा के लिए एक मैंबर ने प्रस्ताव रखा था और दूसरे मैंबर ने सैकिंड किया था। अध्यक्ष महोदय, कल हाउस 15 मिनट पहले एडजोर्न हो गया था इसके लिए जिम्मेवार कौन है ? इसके लिए जिम्मेवार विपक्ष

के माननीय सीनियर सदस्य ही हैं। इनको आपने कल बोलने के लिए समय दिया लेकिन ये नहीं बोले और हाउस 15 मिनट पहले एडजोर्न करना पड़ा। ये तो मात्र अखबारों की सुर्खियों में आने के लिए वाक आउट करके चले जाते हैं इनके पास बोलने के लिए कुछ नहीं है। इन्हें जनता से कोई लेना देना नहीं है। अध्यक्ष महोदय, किस समय किस सदस्य को बुलाना है यह आपने देखना है न कि सदस्य देखेंगे। विपक्ष के साथी कह रहे हैं कि कर्ण सिंह दलाल को अब बोलने दिया जाये यह ठीक नहीं है, ये कल कहां गये थे। यह तो आपने देखना है कब कौन बोलेगा विपक्ष के साथियों का इस तरह का व्यवहार संसदीय परम्पराओं के खिलाफ है। अध्यक्ष महोदय, चौधरी भजन लाल जी अपने आपको बहुत सीनियर मैंबर कहते हैं और ये हैं भी तथा ये कई दफा मुख्यमंत्री भी रहे हैं इन्होंने हरियाणा के इतिहास में ऐसा कभी नहीं देखा होगा कि स्पीकर महोदय बोलने के लिए समय दें और अपोजीशन वाले बोलें ही नहीं । अध्यक्ष महोदय, हम चाहते हैं कि डैमोक्रेसी के अंदर हैल्दी ट्रेडीसन डालें ताकि आने वाले सदस्यों के लिए एक मिसाल बने। अध्यक्ष महोदय, इस समय मुख्यमंत्री जी जवाब देने के लिए खड़े हुए हैं और विपक्ष के साथी इस तरह का व्यवहार करें यह बड़े ही अफसोस की बात है।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, * * *

श्री अध्यक्ष : कैप्टन साहब की कोई बात रिकार्ड न की जाये।

प्रो० सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, विपक्ष के साथी यदि कुछ कहते हैं तो इनको सुनने का भी माददा रखना चाहिए। चौधरी भजन लाल जी, राव नरेन्द्र सिंह और कैप्टन अजय सिंह यादव जी तो यहां बैठे हुए हैं लेकिन और विपक्ष के सभी सदस्य अपनी अपनी बात कहकर चले गये । उनमें सुनने का माददा नहीं है।

चौ० भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, हम जवाब सुनेंगे।

प्रो० सम्पत सिंह : चौधरी साहब, मैंने आपके बारे में नहीं कहा लेकिन आपकी पार्टी के दूसरे सदस्य चले गये । यदि वे मुख्यमंत्री जी का जवाब सुनते तो उनके कानों के कीड़े निकल जाते और उनको बातों का जवाब मिल जाता । अध्यक्ष महोदय, यदि कोई सदस्य कुछ बात कहता है तो उसमें सुनने का भी माददा होना चाहिए। न तो बी०जे०पी० के लीडर यहां बैठें है न ही और कांग्रेस के बहुत से सदस्य जो बोल चुके वे बैठें हैं। वे अपनी बात कहकर चले गये । ऐसा करने से पब्लिक का हित कैसे होगा ? पब्लिक का हित तभी होगा जब वे अपनी बात कहने के बाद सरकार का जवाब सुनें। मुख्यमंत्री महोदय अपना जवाब दे रहे हैं यदि वे जवाब सुनते तो उनको पता लग जाता कि सरकार क्या-क्या करने जा रही है।

चौधरी भजन लाल : स्पीकर साहब, अभी चौधरी सम्पत सिंह जी ने काफी लम्बा चौड़ा भाषण यहां पर दे दिया। इसमें कोई शक नहीं कि आपने कल बोलने के लिए पूरा मौका दिया यदि कोई मैम्बर कल किसी वजह से नहीं बोल पाया अगर उसको आज बुलवा लें तो कोई पहाड़ खड़ा नहीं हो जायेगा। इसलिए मेरा अनुरोध है कि जो मैम्बर बोलना चाहते हैं उनको बोलने के लिए आप समय दे दें।

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

श्री अध्यक्ष : चौधरी भजन लाल जी, आज रिप्लाई देने का समय है। कल खाने के समय मैंने कर्ण सिंह जी को अनओफिशियली कहा था कि आपको बोलने लिए समय दूंगा लेकिन कल ये बोले नहीं ।

प्रो० सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं सदन के नेता की इजाजत से आपसे गुजारिश करता हूं और सदन के नेता चाहते हैं कि इनकी बात को ध्यान में रखते हुए जो मैम्बर बोलना चाहते हैं। उनको आप चाहें तो बोलने की इजाजत दे सकते हैं। सदन के नेता इनके बोलने के बाद भी जवाब देने के लिए तैयार हैं।

श्री कर्ण सिंह दलाल (पलवल) : स्पीकर साहब, महामहिम राज्यपाल महोदय ने अपना जो अभिभाषण इस विधान सभा में पढ़कर सुनाया उसे देखकर यह लगता है कि हरियाणा का भविष्य उज्जवल नहीं हो सकता । महामहिम राज्यपाल महोदय को सरकार ने जो कार्यक्रम दिया उस के अन्दर कोई ऐसी बात नजर नहीं आती जिससे प्रदेश की जनता का भला हो सके। स्पीकर साहब, पिछले दिनों यू०पी० के अन्दर रिलांयस कम्पनी ने 10 हजार करोड़ रुपये की एक परियोजना शुरू की है। रिलायंस कम्पनी ग्रुप के मालिक इस कम्पनी को हरियाणा में स्थापित करना चाहते थे लेकिन सरकार की हठधर्मी के कारण यह 10 हजार करोड़ रुपये की परियोजना हरियाणा में स्थापित नहीं हो सकी। यहां की सरकार उस परियोजना को किसी एक खास इलाके में स्थापित करवाना चाहती थी। उन पर गलत दबाव डाल कर उसे वहां पर स्थापित करवाना चाहती थी जहां पर रिलायंस कम्पनी चाहती नहीं थी। इनकी बात को न मानते हुए रिलायंस कम्पनी ने यह परियोजना यू०पी० में शुरू की है।

प्रो० सम्पत सिंह : कौन सी परियोजना थी ?

श्री कर्ण सिंह दलाल : गैस बेस्ड बिजली बनाने की परियोजना थी। इसका उद्‌घाटन पिछले दिनों यू०पी० में हुआ है और इसकी सभी अखबारों में प्रशंसा भी हुई है। अगर यह परियोजना हरियाणा में लग जाती तो इससे यहां के बेरोजगार लोगों को रोजगार मिलता।

प्रो० सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं अपने साथी को बताना चाहूंगा कि पानीपत के अन्दर गैस बेस्ड बिजली बनाने की एक परियोजना इण्डियन आयल कारपोरेशन ने 15 हजार करोड़ रुपये की शुरू की है। इसका नींव पत्थर पिछले दिनों प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी ने रखा है और उसकी अध्यक्षता स्वयं मुख्यमंत्री जी ने की थी । अगर कोई प्राईवेट पार्टी हमारे यहां पर कोई परियोजना लगाना चाहती है तो हम उसका स्वागत करते हैं और हम उनको हर तरह की सुविधाएं भी देते हैं। जिस कम्पनी का ये जिक्र कर रहे हैं उस बारे में मैं यह कहना चाहूंगा कि हमारी किसी से कोई सांठगांठ नहीं थी। इनकी कोई हो तो मैं कह नहीं सकता ।

चौधरी भजन लाल : अध्यक्ष महोदय, * * * *

श्री अध्यक्ष : चौधरी भजन लाल जी की कोई बात रिकार्ड न की जाये।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अभी सम्पत सिंह जी ने पानीपत का जिक्र किया। मैं इनकी

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि पानीपत थर्मल प्लांट की अरबों रुपये की मशीनरी खराब कोयले की सप्लाई के कारण खराब हो गई क्योंकि उस प्लांट में घटिया कोयला सप्लाई हो रहा है।

श्री कृष्ण लाल : ऑन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। अभी भाई कर्ण सिंह दलाल ने कहा कि पानीपत थर्मल प्लांट की करोड़ों रुपये की मशीनरी को इसलिए नुकसान हुआ कि वहां पर घटिया कोयला सप्लाई हो रहा था। मैं इनकी जानकारी के लिए चाहूंगा कि दिनांक 5-2-04 को पानीपत थर्मल प्लांट का पी०एल०एफ० 99.4 परसैंट था, जो कि अपने आप में एक रिकार्ड है।

श्री अध्यक्ष : क्या अखबारों में सारी सच्ची बातें छपती हैं ? (विघ्न एवं शोर) जिस को जैसी फीडिंग मिल जाती है वैसी ही खबर अखबार में छप जाती है। (विघ्न) दलाल साहब, अखबारों में भी आप जैसे लोग ही ब्यान देते हैं। क्या अखबारों में छपे सारे ब्यान सच होते हैं ? (विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : स्पीकर सर, सदन के सम्मानित सदस्य को इस बात का अहसास होना चाहिए कि किसी भी सदस्य के पास अगर कोई सही इन्फर्मेशन है तो वह व्यक्त कर सकता है लेकिन आधारहीन बात जिसमें कोई तथ्य नहीं है ऐसी अनर्गल बात जो सदन में कहते हैं उनको सही जानकारी भी दी जानी चाहिए। अगर इन्हें किसी बात की सही जानकारी नहीं है और किसी अन्य सदस्य को जानकारी है और ये बता रहे हैं तो इसमें ये बुरा क्यों मान रहे हैं ? (शोर एवं विघ्न) आपको इस बात पर फख्र करना चाहिए कि पानीपत थर्मल प्लांट में 5 फरवरी को जितनी बिजली पैदा हुई वह विश्व भर में एक रिकार्ड है और केन्द्र के ऊर्जा मन्त्रालय ने हर स्तर पर हरियाणा प्रदेश इलैक्ट्रिसिटी बोर्ड तथा हरियाणा सरकार की सराहना की है लेकिन ये एक अनर्गल बात कह रहे हैं। कम से कम इस प्रकार की बात तो इन्हें यहां नहीं कहनी चाहिए। चौधरी भजन लाल जी, ऐसे लोगों को आप समय दिलवाते हैं, थोड़ा आप भी सोचा करें। आप अपने आप को बड़ा सीजन्ड पोलीटिशयन कहते हैं तथा सदन के सबसे पुराने सदस्य भी हैं। आपकी सरकार में भी इस प्रकार के कई सम्मानित सदस्य हुआ करते थे जिन्हें आप बोलने नहीं देते थे, अब आप सदन का समय क्यों खराब करवाते हैं ? (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : कर्ण सिंह जी, आपने अखबार की खबर का हवाला दे कर कहा लेकिन इन्होंने ऑथैंटिक बात बताई है। आपने अखबार के ज्ञान के आधार पर बात कही आपका अपना ज्ञान क्या है, आपको इस बात का पता नहीं कि हियर से hear say avidence is no avidence। (विघ्न एवं शोर)

श्री कृष्ण लाल पंवार : स्पीकर सर, मैं ऑन ए प्वायंट आफ आर्डर पर खड़ा हुआ था। और मेरी बात थोड़ी अधूरी रह गई थी क्योंकि बीच में माननीय मुख्य मन्त्री जी खड़े हो गए थे। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मैं कोयले की बात बता रहा था। आज पानीपत थर्मल प्लांट में 0.74 प्रति ग्राम प्रति यूनिट बिजली की फयूल कन्जम्शन आ रही है जो कि एक रिकार्ड है। पूरे प्रदेश का पी०एल०एफ० 72.71 आया है जब कि 1998-99 में यह 49.21 था। आदरणीय चौधरी ओम प्रकाश चौटाला की सरकार ने पी०एल०एफ० को बढ़ाया है और फयूल कन्जम्पशन को कम किया है। पानीपत थर्मल प्लांट के अन्दर 'डी' ग्रेड का कोयला आ रहा है जो कि स्टैंडर्ड है और इससे बिजली की प्रोडक्शन पूरी हुई है। 5 फरवरी को एक दिन में बिजली का प्रोडक्शन का अधिकतम रिकार्ड बना है। दो करोड़ अढ़ाई लाख यूनिट बिजली एक दिन में पैदा हुई है जो कि अपने आप में एक रिकार्ड बना है।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, अभिभाषण में नौकरियां देने की बात कही गई है। मैं आपके माध्यम से सरकार से जानना चाहूंगा कि क्या ये बताएंगे कि इतना बड़ा खिलवाड़ यह हरियाणा के नौजवानों के साथ क्यों कर रहे हैं ? स्पीकर सर, यह रिकार्ड की बात है कि इन्होंने मधुबन पुलिस का जो रिक्रूटमैंट सैंटर था उसको अपग्रेड करके अकादमी बना दिया है और जब इन्सटीच्यूट बन जाता है तो वहां पर हवलदार के ऊपर के लैवल के ऑफिसर्ज की ट्रेनिंग होती है। वहां पर अब कोई ट्रेनिंग सैंटर नहीं रहा है, इन्होंने उसे खत्म कर दिया है। अब इन्होंने ट्रेनिंग रिक्रूटमैंट सैंटर भौंडसी में चौधरी देवी लाल के नाम पर बनाया है वहां पर इनके पास न कोई बिल्डिंग है न ट्रेनिंग के लिए कोई जगह है, न कोई इनके पास गुंजाइश है। अध्यक्ष महोदय, 1500 सिपाहियों को भर्ती करके सिरसा जिला के गांवों में लट्ठ चलाने की ट्रेनिंग दे रहे हैं कि किस प्रकार से बूथ कैप्चरिंग करेंगे ? स्पीकर सर, जब इनके पास कोई रिक्रूटमैंट सैंटर ही नहीं है तो पुलिस की भर्ती किस कानून के तहत कर रहे हैं ? स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से यह निवेदन करना चाहता हूं कि हमारे जिला फरीदाबाद की नहरों में इतना गन्दा पानी आता है कि हमारी फसलें तबाह हो रही हैं और वहां से वही पानी हमारे पीने के पानी के जलस्रोतों में मिलता है और उसी पानी को हमारे बुजुर्ग और भाई तथा बच्चे पीते हैं। सुप्रीमकोर्ट का एक आर्डर है कि नहरों में गन्दा पानी नहीं डाला जाना चाहिए लेकिन कारखानेदार पोल्यूशन बोर्ड के साथ मिल कर ऐसा कर रहे हैं। पोल्यूशन बोर्ड का चेयरमैन इन्होंने कोई पंजाब से बना रखा है उसे हरियाणा से कुछ भी लेना देना नहीं है, तमाम का तमाम गन्दा पानी हमारे खेतों और पशुओं के पेट में जाता है जो कि हमारे बच्चों के जीवन के साथ खिलवाड़ कर रहा है। इसी तरीके से फरीदाबाद के अन्दर सब से ज्यादा पोल्यूशन है और शाम का वक्त होते ही आंखें बन्द होने लगती हैं इतना धूआं होता है। शायद यही वजह है कि सब से ज्यादा अन्धेपन के केस, सब से ज्यादा कैंसर के केस, सब से ज्यादा टी०बी० के केस और सबसे ज्यादा पीलिया की बीमारी हमारे इलाके में तथा मेवात में फैल रही है तथा सरकार इस पर कोई कार्यवाही नहीं कर रही है। अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से सरकार से मेरा अनुरोध है कि इस बारे में भी कोई न कोई इन्तजाम वहां पर करे। दूसरे स्पीकर सर, इन्होंने सदन में जो अभिभाषण राज्यपाल महोदय के माध्यम से पढ़वाया है उसमें यह नहीं बताया है कि हरियाणा की ग्रोथ रेट क्या है। हिन्दुस्तान की 7.6 प्रतिशत ग्रोथ रेट दर्शाई गई है। इन चार सालों में हरियाणा की ग्रोथ रेट कहां पर खड़ी है ? इस के बारे में श्री ओम प्रकाश चौटाला जी को सदन में बताना चाहिए था। प्रो० सम्पत सिंह जी ने सदन में कहा कि इनकी सरकार ने दो लाख टन बाजरा खरीदा है। मैं इनसे यह पूछना चाहूंगा कि हरियाणा में कितना बाजरा उत्पन्न होता है अगर इतना बाजरा हरियाणा में उत्पन्न नहीं होता है तो इतना बाजरा कहां से खरीदा है ? अध्यक्ष महोदय, ओम प्रकाश चौटाला जी हरियाणा के मुख्यमंत्री हैं और हरियाणा के लोगों ने इनको मुख्यमंत्री बनाया है। ये कहते हैं हमने 49000 नौकरियां दी हैं। मैं इनसे यह कहना चाहता हूं कि यह सरकार इस बारे में एक श्वेत पत्र जारी करे जिसमें ये उन बच्चों के नामों के साथ-साथ उनका पता भी बताएं कि ये कहां के रहने वाले हैं साथ में ये यह भी बताएं कि उनमें कितने हरियाणा के लोग हैं और कितने राजस्थान और यू०पी० के हैं ? आज ये अपने परिवार के लोगों को बढ़ावा देने के लिए, अपनी राजनितिक पार्टी को बढ़ावा देने के लिए कभी राजस्थान में और कभी उत्तर प्रदेश में जाकर चुनाव लड़ते हैं और टी०ए०, डी०ए० हरियाणा से लेते हैं । इस पर हरियाणा का हजारों करोड़ों रुपया खर्च हुआ है,

यह कोई अच्छी बात नहीं है। मैंने तो यह सुना है कि अब ये बिहार से भी चुनाव लड़ने के बारे में विचार कर रहे हैं। (विघ्न)

श्री भगवान सहाय रावत : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। मुझे बेहद अफसोस है कि श्री दलाल साहब एक राजनीतिक पार्टी के सदस्य और भूतपूर्व पार्लियामैंटरी अफेयर्ज मिनिस्टर भी रहे हैं वे अपनी राजनैतिक अज्ञानता की वजह से सदन में अकेले बैठे हुए हैं और इस तरह की बात कर रहे हैं। कोई भी राजनीतिक पार्टी अपने चुनावी मैनीफैस्टो के आधार पर चुनाव लड़ सकती है और ये भी चुनावों के दौरान दूसरी स्टेट्स में जाकर प्रचार करते रहे हैं। इनको इस तरह की बात सदन में नहीं करनी चाहिए।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मैं मुख्यमंत्री जी की प्रशंसा करता हूं कि इन्होंने छोटा मंत्रिमण्डल बनाया हुआ है,यह बहुत ही अच्छी बात है, यह बात मैं सदन से बाहर भी और यहां पर भी कहता हूं। लेकिन चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी ने छोटा मंत्रिमण्डल बनाकर महत्वपूर्ण विभाग अपने पास रखे हुए हैं। * * * *

श्री अध्यक्ष : आप यह बात यहां पर डिस्कस न करें। इन्होंने अभी जो बात कही है वह रिकार्ड नहीं की जाए।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी ने जो मंत्री बनाए हुए हैं इनको यहां पर क्यों बिठाया हुआ है। मुख्यमंत्री जी बहुत व्यस्त रहते हैं इनको कभी राजस्थान और कभी उत्तर प्रदेश जाना पड़ता है, इन पर काम का बहुत बोझ है इसलिए मैं इनसे कहना चाहूंगा कि वे विभाग ये इन मंत्रियों को दे दें ताकि विभागों का काम सुचारू रूप से चल सके। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, इन्होंने हरियाणा में इतने एफ०सी०आर० और कमिशनर्ज बना रखे हैं जिनकी जरूरत नहीं है। जब वे गाड़ियों में चलते हैं तो सरकार का डीजल और पैसा खर्च होता है जो कि बचाया जा सकता है । हरियाणा के लोगों का पैसा खर्च होता है। अध्यक्ष महोदय, मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या हरियाणा के आई०आर०एस० अधिकारी कैपेबल नहीं हैं जो इन्होंने बाहर से डैपुटेशन पर आई०आर०एस० अधिकारियों को लगा रखा है। एक बाहर के आई०आर०एस० अधिकारी को पहले इन्होंने फरीदाबाद के हुडडा का एडमिनिस्ट्रेटर बनाया था अब उसको गुड़गांव का एडमिनिस्ट्रेटर लगा दिया है। यह क्यों लगा है क्योंकि गुड़गांव और फरीदाबाद में जितनी बेशकिमती जमीनें हैं। वहां पर पहले तो जमीन को एक्वायर करने का नोटिस निकाल देते हैं और बाद में लाखों करोड़ों रुपए खा करके मामले को रफा दफा कर देते हैं। जबकि सुप्रीमकोर्ट और हाईकोर्ट के आदेश इस बात को करने से मना करते हैं । यह बात अखबारों के माध्यम से भी मैंने बताई है। मेरा मुख्यमंत्री जी से अनुरोध है कि आई०आर०एस० अधिकारियों को हरियाणा में डैपुटेशन पर तभी लेना चाहिए अगर हरियाणा के अधिकारी कैपेबल न हों । हमारे हरियाणा के अधिकारी सक्षम हैं यदि नहीं हैं तो ये कह दें कि हमारे अधिकारी सक्षम नहीं हैं।

श्री अध्यक्ष : कर्ण सिंह जी, आप वाइन्डअप करें।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय मैंने जीरो ऑवर में भी रिक्वैस्ट की थी मुख्यमंत्री जी को हैण्डीकैप लोगों की तकलीफ का इसलिए एहसास होना चाहिए क्योंकि ये खुद भी हैण्डीकैप्ड हैं। अध्यक्ष महोदय, आज बेकार अन्धें लोगों पर चण्डीगढ़ की पुलिस ने ....

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

श्री भगवान सहाय रावत : अध्यक्ष महोदय, मेरा फिर से व्यवस्था का प्रश्न है। मैं कर्ण सिंह दलाल जी से पुनः निवेदन करना चाहूंगा कि वे सदन में इस तरह की बात नहीं करें। जिस तरह की बात वह कह रहे हैं उससे उनकी ईर्ष्या, द्वेष और संक्षिप्त विचारधारा की भावना झलकती है। ये सदन में बैठें हैं और सदन में कोई बात कहना चाहते हैं तो इनको सही तरीके से बात कहनी चाहिए। अगर ये हैण्डीकैप्ड लोगों के बारे में सोचते हैं तो उन्हीं की बात करें। किसी पर कटाक्ष न करें। इनको मुख्यमंत्री जी के प्रति ऐसे शब्द कहने का कोई अधिकार नहीं है।

11.00 बजे **श्री कर्ण सिंह दलाल :** सरकार ने दूसरे प्रदेशों का बाजरा खरीदा और यू०पी० में वोट बनाने के लिए वहां का गेहूं भी खरीदा लेकिन आज जब हम हरियाणा के किसी भी गांव में जाते हैं तो शहरों के साथ ढेरों के ढेर गेंहू नजर आएगा आज वह गेंहू सड़ रहा है। मेरा सरकार को यह सुझाव है कि जिस तरह से आज पंजाब में कंट्रैक्ट फार्मिंग का सिलसिला चल पड़ा है हरियाणा में भी सरकार इस तरफ क्यों नहीं ध्यान देती ? स्पीकर सर, फसलों का जो विविधीकरण है इसके बारे में मैंने पिछले विधान सभा सैशन में भी कहा था और उस समय चौधरी सम्पत सिंह जी ने आश्वासन दिया था कि हम हरियाणा में कंट्रैक्ट फार्मिंग करेंगे। सर, मेरा सुझाव है कि अगर पंजाब में कंट्रैक्ट फार्मिंग शुरू हो सकती है तो ये इसको हरियाणा में भी शुरू कर सकते हैं। अगर ये ऐसा करेंगे तो इनको धान और गेंहू की खरीद से छुटकारा मिल जाएगा और खरीद पर जो करोड़ों अरबों रुपया बर्बाद हो रहा है वह रुपया बर्बाद होने से बच जाएगा।

श्री अध्यक्ष : दलाल साहब, इससे आमदनी होती है, इससे चार परसैंट सेल्ज टैक्स आता है, इससे मार्किट फीस आती है और रोजगार भी मिलता है।

श्री कर्ण सिंह दलाल : सर, मैं आपको वही बता रहा हूं। पिछले दिनों सरकार ने 650 रुपये क्विंटल से जो गेंहू खरीदा था मैं उसके बारे मैं आपको बताना चाहूंगा। सरकार मेरी इस बात का जबाव दें क्योंकि मैं यह बात जिम्मेवारी के साथ कह रहा हूं। अगर मेरी बात झूठी हो तो मैं इस्तीफा देने के लिए तैयार हूं और जो भी दण्ड आप मुझे देंगे वह मैं भुगतने के लिए तैयार हूं। इन्होंने पिछले दिनों 650 रुपये क्विंटल के हिसाब से हजारों क्विंटल खरीदते हुए गेंहू को सस्ते दामों पर अपने ही लोगों को क्यों नीलाम कर दिया ? जब सरकार 650 रुपये क्विंटल के हिसाब के गेंहू खरीदती है तो उसको इन्होंने 250 रुपये या तीन सौ रुपये क्विंटल पर बोली लगाकर अपने ही आदमियों को पुलिस की देखरेख में क्यों नीलाम कर दिया ? स्पीकर सर, आज हरियाणा की पुलिस अपराधियों और मुलजिमों का ख्याल नहीं करती बल्कि आज हरियाणा की पुलिस केवल चौटाला जी और उनके परिवार के गलत कामों को अंजाम देने की फिराक में रहती है।

श्री अध्यक्ष : दलाल साहब, अब आप वाईंड अप करें।

श्री कर्ण सिंह दलाल : सर, मैं वाईंड अप ही कर रहा हूं। जब आपने इतनी मेहरबानी की है तो थोड़ी देर और मुझे अपनी बात कह लेने दें।

श्री अध्यक्ष : नहीं नहीं, आपका समय समाप्त हो गया है इसलिए अब आप बैठ जाएं।

श्री कर्ण सिंह दलाल : सर, मैं वाईंड अप कर रहा हूं।

श्री अध्यक्ष : वाईंड अप तो खुद ही हो गया । आप बैठिए।

श्री कर्ण सिंह दलाल : सर, मैं एक मिनट और लूंगा। मुख्यमंत्री जी ने कहा है तो आप मेरी वाईंड अप भी सुन लीजिए। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करूंगा कि अभी भी कुछ नहीं बिगड़ा क्योंकि अभी भी इनके मुताबिक एक साल का समय बाकी है। जो अच्छे काम हैं वह इनको हरियाणा के लोगों के लिए करने चाहिएं। इन मंत्रियों में बराबर काम बांटकर मुख्यमंत्री जी को दूसरे प्रदेशों को छोड़कर हरियाणा की ओर देखना चाहिए। आज जो बेरोजगारी बढ़ रही है और जो आज पुलिस के अधिकारी गलत काम कर रहे हैं उसकी ओर इनको ध्यान देना चाहिए। पुलिस के अधिकारियों को गलत काम करने से बाज आना चाहिए क्योंकि इसमें कुछ नहीं रखा है। जब अच्छे अच्छे राजा महाराजा इस देश को छोड़कर चले गए तो ये क्या चीज हैं। स्पीकर सर, आज जब अकबर की नौवीं पीढ़ी भीख मांग रही है तो ये क्या चीज हैं। इनका भी कुछ नहीं पता चलेगा । अच्छे अच्छे लोग आए और चले गए इसलिए इनको भी अपनी हैसियत और कानून में रहकर चलना चाहिए ।

श्री अध्यक्ष : दलाल साहब, मुख्यमंत्री जी के पास ज्यादा महकमे देखकर कहीं आपका दिल तो कुछ नहीं कर रहा है ? (विघ्न)

कैप्टन अजय सिंह यादव : स्पीकर साहब, मैंने एक एडजर्नमैन्ट मोशन आपकी सेवा में दिया था उसका क्या हुआ ? (विघ्न) आप मेरी बात सुनिए।

श्री अध्यक्ष : कैप्टन साहब, इन बातों के लिए यह कोई टाईम नहीं है। हुड्डा साहब, आप इनको समझाईये। (विघ्न) कैप्टन साहब, आप बैठ जाएं। सांगवान साहब, आप भी बैठिए। (विघ्न) सांगवान जी, आप बोल चुके हैं कल आपको बोलने का टाईम दिया था।

चौ० जगजीत सिंह : अध्यक्ष महोदय, अखबार में लिखा हुआ है। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : सांगवान साहब, आप अखबार मत दिखाईये। अखबार को विधान सभा और लोक सभा में नहीं दिखाया करते । आप बैठिए। (शोर एवं व्यवधान) अब इनकी कोई बात रिकार्ड न करें।

चौ० जगजीत सिंह : अध्यक्ष महोदय, * * * * (विघ्न)

कैप्टन अजय सिंह यादव : स्पीकर साहब, आप मेरी बात तो सुनिए।

श्री अध्यक्ष : कैप्टन साहब, आप बैठिए। अब कैप्टन साहब की कोई बात रिकार्ड न करें।

कैप्टन अजय सिंह यादव : स्पीकर साहब, * * *

श्री अध्यक्ष : कैप्टन साहब, आप बैठिए। मैं तो पढ़ रहा था लेकिन आप ही उठकर चले गए। आपका वह मोशन डिसअलाऊ हो गया है। आप बैठिए। (विघ्न) मैं आपके मोशन का फेट बता चुका हूं बाकी का कल पूछ लेना। मैं तो पढ़ रहा था लेकिन आप ही यहां से उठकर भाग गए।

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

कैप्टन अजय सिंह यादव : * * *

श्री अध्यक्ष : इनकी कोई बात रिकार्ड न करें। कैप्टन साहब, आप सदन में हाजिर नहीं रहते। आप उठकर भाग गए। आपने दो और मैम्बर्ज का मौका गंवा दिया क्योंकि उन्होंने अपनी सप्लीमैंट्री पूछनी थी।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, * * * *

श्री अध्यक्ष : सारे मैम्बर्ज देख रहे थे आप भाग गए थे। आप ही बताईये कि ऐसे भागते हुए के लिए हम क्या करें। मुझे तो ऐसा लग रहा है कि आप मिलिट्री से भी भागकर आए हो।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, * * * *

श्री अध्यक्ष : कैप्टन साहब, सारी बातें शांतिपूर्वक हो गयी हैं अब कोई ऐसी बात नहीं है इसलिए अब आप बैठ जाएं (विघ्न) इनकी कोई बात रिकार्ड न करें। (विघ्न) हुड्डा साहब, आप इनको समझाएं। अगली कार्यवाही चलने दें। मैं जब पढ़ रहा था तो ये उठकर भाग रहे थे।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : स्पीकर साहब, आप उनको उनके मोशन का फैट बता दें।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, एक विपक्ष के नेता हैं, एक उपनेता हैं इनको इस बात की जानकारी तो होनी ही चाहिए कि यह जीरो ऑवर नहीं है। ये लोग स्पीकर साहब की रियायत मानें कि फिर इनको खड़े होने का अवसर दे रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, जीरो ऑवर समाप्त हो गया तो ये लोग अब उसकी चर्चा क्यों कर रहे हैं। इनको चाहिए कि सदन का डैकोरम कायम रखें।

श्री अध्यक्ष : हुड्डा साहब, आप बैठ जाएं। अब मुख्यमंत्री महोदय जवाब देंगे।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं पुनः आपका आभार व्यक्त करता हूं कि आपने बड़ी फराखदिली दिखाकर सभी सदस्यों को बोलने का अवसर प्रदान किया । भजन लाल जी स्वयं गवाह हैं कि जब हम इनके वाली सीट पर बैठा करते थे तो रो-रो कर मर जाते थे लेकिन हमें बोलने का समय नहीं मिलता था (विघ्न) कल भजन लाल 50 मिनट बोले हैं और कहीं भी तथ्यों पर आधारित कोई बात इन्होंने नहीं कही । अगर बदला लिया जाता तो इनको इतना समय नहीं मिलता । चौधरी भजन लाल जी, आपको तो यह मानकर चलना चाहिए कि किन परिस्थितियों में हमने सरकार संभाली थी । पूरा प्रदेश जर्जर हालत में था, पूरे प्रदेश में सड़कों की यह हालत थी कि हमें दूसरे प्रदेशों से होकर आना पड़ता था। (विघ्न) आपके वक्त की भी बताऊंगा । 4-4 फुट गहरे गड्ढे थे। बिहार की तरह सड़क छोड़कर नीचे चलने पर हम मजबूर थे। आपको सरकार की इस बात के लिए सराहना करनी चाहिए कि आज हरियाणा प्रदेश की सड़कें पूरे देश के स्तर पर सबसे ज्यादा अच्छी, मजबूत और आरामदेह हैं। आज हरियाणा प्रदेश की सड़कों पर हवाई जहाज उतारा जा सकता है। सरकारी तौर पर आंकड़ों के हिसाब से मैं जाऊंगा तो इतनी नयी सड़कें हमने बनाई हैं और इतनी सड़कों की मरम्मत की है। जिस व्यक्ति को बताने की बात थी वह तो चला गया है एक अकेले बेरी विधान सभा क्षेत्र में 18 नयी सड़कें मौजूदा सरकार की तरफ से दी गई हैं। हमारी यह सोच नहीं है कि क्षेत्रीय स्तर पर किस को

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

क्या दिया जाए ? हमें हरियाणा प्रदेश के मतदाताओं ने प्रदेश के हितार्थ अच्छे काम करने के लिए चुनकर भेजा है, हम दुर्भावनाग्रस्त हो कर काम नहीं करते हैं। हमारी यह सोच नहीं कि किसी प्रकार से किसी हल्के से भेद भाव किया जाए। सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के अन्तर्गत हमने 90 के 90 विधान सभा क्षेत्रों में जाकर के लोगों की मूलभूत जरूरतों को पूरा करने का प्रयास किया है। हम चाहते हैं कि हम प्रगति के पथ पर आगे बढ़ें और उसके लिए विपक्ष की भी विशेष रूप से एक जिम्मेदारी है। हरियाणा प्रदेश के हित के लिए आपके रचनात्मक सुझाव हर समय आमंत्रित हैं। सरकार आपके रचनात्मक सुझावों को मानने के लिए पूर्ण रूप से तैयार है और इससे पहले हमने माने भी हैं। यदि अच्छे सुझाव आएंगे तो सरकार निश्चित रूप से उन्हें मानेगी। हमारी सोच केवल मात्र यह है कि हरियाणा प्रदेश के आम नागरिक को वह सारी सुविधायें दी जा सकें जिनका वह लम्बे समय से इंतजार कर रहा था। हरियाणा प्रदेश का गठन करते वक्त आदरणीय चौधरी देवीलाल जी ने पूरे प्रदेश के लोगों को जोड़कर संघर्ष किया। उस संघर्ष के पीछे मन्शा यही थी कि हरियाणा प्रदेश एक प्रगतिशील राज्य बने और इस प्रदेश के हर नागरिक की मूलभूत जरूरियात पूरी हों, प्रदेश का हर नागरिक समृद्ध, सम्पन्न और खुशहाल हो। अतीत में कुछ ऐसी सरकारें आई। कभी चौधरी भजन लाल जी की सरकार और कभी चौधरी बंसीलाल जी की सरकार आई जिन्होंने पूरे प्रदेश की अर्थ -व्यवस्था को चरमरा कर रख दिया और पूरे प्रदेश के हालात को बिगाड़ दिया । उन बिगड़े हुए हालात को संवारने में और सम्हालने में कितना समय लगा और कितने प्रयास करने पड़े, इसका अनुमान आप लगा सकते हैं कुछ कारण ऐसे रहे कि हालात बिगड़े लेकिन उनको संवारने और सम्हालने में आपकी भी जिम्मेवारी है क्योंकि यह प्रदेश आपका भी प्रदेश है। हमारी कोई दुर्भावना नहीं हैं। चौधरी भजनलाल जी, आपने अपने राज का जिक्र किया। चौधरी बंसीलाल जी आज बैठे नहीं हैं मैं उनका जिक्र करना वैसे भी मुनासिब नहीं समझता क्योंकि उन्हें इस प्रदेश से कोई सरोकार नहीं है। वे इस मामले में सीरियस नहीं हैं। एक सम्मानित सदस्य होते हुए और पूर्व मुख्यमंत्री तथा केन्द्र सरकार में ऊंचे पदों पर रह चुका व्यक्ति भी यदि बजट अधिवेशन में अनुपस्थित रहे तो इसका मतलब तो यही निकलता है कि वे सीरियस नहीं है। इसका मतलब उनको कोई सरोकार नहीं हैं। वह आदमी कभी निर्माण में यकीन नहीं रखता वह तो तोड़फोड़ में ही यकीन रखने वाले आदमी हैं। उनका काम तो तोड़ने का ही काम रहा है उन्होंने अपने क्षेत्र का सब डिवीजन तोड़ दिया और चौधरी भजन लाल जी, आपने कहा कि आदमपुर का भी सब-डिवीजन तोड़ दिया। अब इस सरकार ने तोशाम को सब-डिवीजन बना दिया है तो आदमपुर को क्यों नहीं बना दिया जाए। हम कोई दुर्भावना नहीं रखते । आज मैं सदन में इस बात की घोषणा करता हूं कि आदमपुर का सब डिवीजन फिर से बना देंगे। हमारी सोच ठीक है। आपने उल्लेख किया यूनिवर्सिटी का और आपने कटाक्ष किया कि चौधरी देवीलाल जी के नाम पर सिरसा में यूनिवर्सिटी बना दी। नाम तो किसी का रहे हिसार में गुरु जम्भेश्वर जी के नाम पर भी यूनिवर्सिटी है रोहतक में महर्षि दयानन्द जी के नाम पर यूनिवर्सिटी है और चौधरी चरण सिंह जी के नाम पर भी यूनिवर्सिटी है । जिन लोगों की शिक्षा में रूचि थी और जिन लोगों ने समाज को राजनीतिक तौर पर सचेत और जागरूक किया अगर उन लोगों के नाम पर कोई चीज बना दी जाये तो किसी को कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए बशर्ते की उसके पीछे सोच ठीक हो। हमारी सोच केवल मात्र यही है कि यूनिवर्सिटी बने ताकि हमारे बच्चों को अच्छी शिक्षा मिल सके। चौधरी भजन लाल जी, आप तो भुक्तभोगी हैं। जब चौधरी बंसीलाल जी मुख्यमंत्री बने तो आपकी गुरु जम्भेश्वर यूनिवर्सिटी

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

को उन्होंने तोड़ने का प्रयास किया था और उस वक्त जो विपक्ष के लोग थे और आज सत्ता पक्ष में बैठे हुए हैं उन्होंने बढ़-चढ़कर इस यूनिवर्सिटी को बचाने के लिए मदद की थी। आज मैं यह कहूं तो ज्यादा उपयुक्त होगा कि हमारी वजह से आज गुरू जम्भेश्वर यूनिवर्सिटी कायम है। आपका तो जी निकल जाता था जब चौधरी बंसीलाल जी खड़े होते थे। हम लड़ा करते थे आपको पता होगा और आपको मानना चाहिये कि हम लड़े थे। हम लोग उस वक्त इसलिए लड़े थे क्योंकि हमारे प्रदेश में एक यूनिवर्सिटी है। हमारे बच्चों को अच्छी शिक्षा मिलेगी । शिक्षा में सुधार करते हुए हमने नई शिक्षा नीति में बदलाव लाने का काम किया है। हमने पहली जमात से अंग्रेजी की शिक्षा शुरू की है। हमारे जो सहयोगी दल थे उन्होंने इस बात पर बड़ी आपत्ति की थी। विधान सभा के अन्दर और विधान सभा के बाहर भी उन्होंने कहा कि हिन्दी की अनदेखी की जा रही है। हिन्दी हमारी मातृभाषा है। हमारी मन्शा हिन्दी की अनदेखी करने की नहीं थी। हमारे बच्चे अगर दूसरी भाषा नहीं सीखेंगे तो उन्हें आगे बढ़ने में दिक्कत और कठिनाई आयेगी । इसलिए हमने पहली जमात से अंग्रेजी शुरू की है। हमने छठी जमात से कम्पयूटर की शिक्षा शुरू की है। हमने हरियाणा के हर कालेज में कम्पयूटर की शिक्षा शुरू कर दी है। चौधरी भजनलाल जी, अतीत की सरकारों के समय में कुछ ऐसी परम्पराएं रही थी कि लड़के नकल करके पास हो जाया करते थे। जो बच्चे नकल करके पास होंगे वे बच्चे आगे नहीं बढ़ेंगे। आखिर नई पीढ़ी का स्कूल, कालेजों और यूनिवर्सिटी के प्रांगण से उनका भविष्य बनना है। और उन्होंने देश का निर्माण करना है। इसलिए हम नई पीढ़ी के निर्माण के पक्षधर हैं। हम चाहते हैं कि उनको अच्छी शिक्षा मिले ताकि वे अच्छे पदों पर बैठें और ग्रामोन्मुख योजनाएं बनाने में उनकी भागीदारी हो सके। हमारे पूरे प्रदेश के हर कालेज में कम्प्यूटर शिक्षा शुरू हो गई है। हजारों स्कूलों में कम्प्यूटर की शिक्षा शुरू की गई है। उसी वजह से आज मैं फख्र के साथ कह सकता हूं कि हमारी सरकार बनने के बाद जहां हमने टैक्नीकल इन्स्टीच्यूटस को बढ़ावा दिया है वहीं हमने कितने ही इंजीनियरिंग कालेज भी बनाये हैं। हम फख्र के साथ कह सकते हैं कि हमारे इंजीनियरिंग कालेजों से जो लड़के शिक्षा प्राप्त करके बाहर निकलते हैं उनमें से एक भी लड़का बेकार नहीं रहता । इसका श्रेय हमारी सरकार को जाना चाहिए। अगर 250 लड़के उत्तीर्ण होकर जाते हैं तो 249 नहीं बल्कि 250 को ही जॉब मिल जाती है। हम चाहते हैं कि शिक्षा का स्तर बढ़े । उसके लिए कांग्रेस पार्टी की तरफ से दूसरे लोगों की तरफ से बड़ा विरोध किया गया। उसका राजनैतिक लाभ उठाने की भी चेष्टा की गई और कहा गया कि सिरसा में यूनिवर्सिटी बनी है उसके साथ भिवानी जिला के कालेज भी जुड़ जायेंगे, नरेन्द्र सिंह जी ने कहा कि महेन्द्रगढ़ जुड़ जायेगा। यूनिवर्सिटी में की दूरी नहीं आंकी जाती है। दूसरे देशों में होते हुए भी लोग यूनिवर्सिटी में पढ़ाई करते हैं। चौधरी भजन लाल जी, इस बात का आपको और मुझे तो ज्यादा पता नहीं लेकिन दूसरे जो पढ़े लिखे भाई हैं उनको तो मालूम है। राव दान सिंह, राव नरेन्द्र सिंह और धर्मबीर जी इस बात का विरोध कर रहे थे कि यूनिवर्सिटी दूर है। ये तो पढ़े लिखे लोग हैं इनको तो मालूम है कि विदेशों की यूनिवर्सिटी में भी यहां के लोग पढ़ाई करते हैं। अब कोई विद्यार्थी नकल करते पकड़ा जाता है, यूनिवर्सिटी में जाने की आवश्यकता तब पड़ती है। यानि ये लोग नकल को बढ़ावा देना चाह रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, जिस परीक्षा सैंटर पर नकल होती है वह सैंटर वहां से हटा दिया जाता है और इस बारे में जब लोग आकर मुझ से मिलते हैं और कहते हैं कि हमारे यहां का सैंटर हटा दिया गया है उसे दोबारा बनवा दो तब मैं

उन लोगों को कहता हूं कि यदि नकल करके आपके बच्चे पास होंगे तो वे आगे चलकर क्या करेंगे। इस पर उनका जवाब आता है कि दसवीं पास कर जायेंगे और पुलिस में भर्ती हो जायेंगे। इस तरह की आदत पहले वाली सरकार ने लोगों को डाली हुई थी लेकिन हमने अब जहां कहीं भी नकल हो रही है वहां से परीक्षा सैंटर हटाए हैं और पुलिस में भर्ती के लिए जमा दो की क्वालीफिकेशन रखी है और कद भी 5.9 इंच कर दिया है ताकि अच्छे लड़के पुलिस में भर्ती हों। इस बात पर भी विपक्ष के साथियों को ऐतराज है। इन लोगों को ज्ञान नहीं है कि अच्छे हट्टे-कट्टे लड़के पुलिस में भर्ती होंगे तो अपराध कम होंगे। अध्यक्ष महोदय, कर्ण सिंह दलाल ने कह दिया कि भौंडसी में ट्रेनिंग सैंटर चल रहा है, सिरसा में ट्रेनिंग सैंटर चल रहा है। इनको मैं बताना चाहूंगा कि सिरसा में किसी तरह का ट्रेनिंग सैंटर नहीं चल रहा ये ऐसे ही अनर्गल बातें करते रहते हैं। जहां तक भौंडसी ट्रेनिंग सैंटर का सवाल है, वह बहुत ही अच्छा ट्रेनिंग सैंटर है। दूसरे राज्यों के ट्रेनीज भी ट्रेनिंग लेने के लिए यहां पर आते हैं। हमें मालूम है कि अच्छी ट्रेनिंग दी जायेगी तो कानून-व्यवस्था में सुधार होगा। इनकी सरकार के समय में कानून-व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं थी। ये तो मंत्री बने हुए थे और जनता की तरफ कोई ध्यान नहीं दे रहे थे। इनकी सरकार के समय में जहां स्कूल के बच्चों के बैग में किताबें होनी चाहिए थीं वहां शराब के पाउव होते थे। अध्यक्ष महोदय, मैं यह नहीं कहता कि हमारे यहां कानून-व्यवस्था पूर्ण रूप से ठीक हो चुकी है। जैसी कानून व्यवस्था हम चाहते हैं वैसी अभी नहीं हो पाई है। अपराधी की प्रवृति होती है अपराध करना, और वह अपराध करता है। दुनियां में सबसे शक्तिशाली व्यक्ति अमेरिका का प्रेजीडेंट है और उसकी सिक्योरिटी का प्रबन्ध भी बहुत अच्छा होता है लेकिन फिर भी अपराधियों ने कैनेडी की हत्या कर दी थी। इमरजैंसी के दौरान स्वर्गीय श्रीमती इन्दिरा गांधी को भी बहुत सिक्योरिटी दे रखी थी। चौधरी भजन लाल जी, आपको तो मालूम होगा क्योंकि इमरजैंसी के दौरान आप भी बहुत परेशान रहे थे उनको भी अपराधियों ने मार दिया था। अध्यक्ष महोदय, हमने अपराध पर अंकुश लगाया है और हमारी सरकार बनने के बाद एक भी वारदात अनट्रेस्ड नहीं रही है। अपराधियों के मन में कानून का डर बढ़ा है तथा अपराधों में कमी हुई है। हमारी सरकार आने के बाद अपराधियों के मन में डर बैठ गया है कि यदि वे अपराध करेंगे तो बचकर नहीं जा पायेंगे। इसलिए मैं पूरे सदन से नम्र निवेदन करना चाहता हूं कि जो बात सही है उसको आप सही मानें। राजनीति करने का जब समय आयेगा तब आप लोग अपने हिसाब से राजनीति करना और हम अपने हिसाब से करेंगे। लेकिन यहां सदन में सही बात को सही कहना चाहिए और जन हित के कार्यों में सरकार का साथ देना चाहिए, सदन में राजनीति नहीं करनी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, विपक्ष के साथी इस बात की सराहना नहीं कर रहे कि हरियाणा सरकार ने बाजरा 505 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से खरीदा लेकिन दूसरी अनर्गल बातें यहां कर रहे हैं। मैं सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि पिछले वर्ष 10 लाख मीट्रिक टन बाजरा पैदा हुआ और सरकार ने 1.99 लाख मीट्रिक टन लगभग दो लाख मीट्रिक टन बाजरा खरीदा है। सरकार वही बाजरा खरीदती है जो बाजरा मण्डियों में आता है। अध्यक्ष महोदय, इस पर बैन नहीं है कि कोई दूसरा यहां आकर अपना बाजरा बेच रहा है। यदि मैं उत्पादन कर रहा हूँ तो यह मेरा हक है कि मैं उसे जहां मर्जी बेच सकता हूँ। अध्यक्ष महोदय, विपक्ष के साथी कह रहे थे कि कनक सड़ रही है। मैं इनको इस बारे में बताना चाहूंगा कि सरकार ने इतने गोदान बनाये हुए हैं जो कि हमारी जरूरत से भी काफी ज्यादा हैं ये लोग कहते हैं कि महंगी खरीदी और मंदी बेच दी यह हरियाणा की बदकिस्मती है कि इनमें से कई लोग मंत्रीमण्डल में भी रहे हैं और इनको

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

इतना भी नहीं मालूम कि हरियाणा सरकार तो कमीशन एजैंट का काम करती है। बेचने का काम तो केन्द्र सरकार का होता है, फिर हमने कहां से बेच दी । हम तो उसकी रखवाली का काम करते हैं और उसकी ऐवज में पैसे भी लेते हैं अध्यक्ष महोदय, हमारी कोशिश होती है कि किसान को उसकी हर फसल का उचित मूल्य मिले । ये लोग तो अनर्गल बातें करते रहते हैं। अगर कहीं नुकसान होता है तो उसके कारण आपकी वित्तीय स्थिति का कोई नुकसान नहीं हो रहा और हरियाणा का भी कोई नुकसान नहीं हो रहा । इसी हिसाब से आज आपको यह मानकर चलना चाहिए। कि मौजूदा सरकार ने जहां सड़कों की हालत अच्छी बनाने का काम किया है वहां हमने सिंचाई की समुचित व्यवस्था करने का भी हर सम्भव प्रयास किया है। हमारी सरकार बनने के बाद कितनी नई डिस्ट्रिब्यूट्रियां और माईनर्ज निकाली गई उसका कोई हिसाब नहीं। सैशन के दौरान भी मुझे कल जा कर दो डिस्ट्रिब्यूट्रीज का उद्घाटन करना पड़ा। परसों मैं छः डिस्ट्रिब्यूट्रीज का उद्घाटन करके आया था। मेरा कोई भी दिन खाली नहीं जाता जिस दिन 5-7 कामों की आधार शिला न रखूं और 5-7 नये कामों का उद्घाटन न करने जाऊं । यह हरियाणा प्रदेश की सरकार को श्रेय जाता है कि हमारी सरकार बनने के बाद 40 हजार विकास के काम हुए हैं। अगर ज्यादा विकास के काम करने वाली किसी प्रादेशिक सरकार का नाम गिनीज बुक आफ वर्ल्ड रिकार्डज में लिखा जाए तो आपकी प्रदेश की सरकार का नाम विश्व के मानचित्र पर सबसे ऊपर पढ़ने को मिलेगा । सरकारें इन लोगों की भी थीं। ये सरकारों के मुखिया भी रहे हैं लेकिन लोग हमसे अब यह पूछते हैं कि इतने विकास के काम अब कैसे हो रहे हैं, पहले की सरकारों के समय इतने काम क्यों नहीं हुए। अब हम लोगों को बताते है कि पहले की सरकार के लोग लुटेरे वर्ग के थे और वह जनता के गाढ़े खून-पसीने की कमाई को लूट करके अपनी जेब में डालते थे। आज हम हरियाणा प्रदेश के ट्रस्टी हैं। लोगों ने हमें जिम्मेवारी दी है कि हम इस प्रदेश के लोगों की रखवाली करें और उनकी सम्पत्ति की रखवाली हम कर रहे हैं । वे लोग जो टैक्स का पैसा देते हैं उसके एक-एक पैसे का हम सदुपयोग करते हैं। ये लोग कोई बात करने से पहले संकोच नहीं करते। एक तरफ आप लोग लोगों को जाकर यह कहते हैं कि बिजली के बिल न दो । (विघ्न) विपक्ष के नेता अपने स्वार्थ के लिए आग लगवाने का काम करते हैं। लोग रुपयों की माला देते हैं। (विघ्न) 75 लाख रुपये इन्होंने इकट्ठे किये। यह लोग उनसे वसूल लें। यह इनकी पार्टी का मामला है। (विघ्न) हां 75 लाख रुपये इन्होंने इकट्ठे किये । मैं सदन में यह बात कह रहा हूं।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : स्पीकर साहब, * * * * (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : इनकी कोई बात रिकार्ड न की जाये। हुड्डा साहब, आप बैठिये।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : मैं इसीलिए सदन में यह बात कहता हूं कि पार्टी फण्ड का पैसा पार्टी कोष में जाये। पार्टी का पैसा पार्टी फण्ड में जा रहा है या नहीं जा रहा यह देखना पार्टी प्रेजीडेन्ट का काम है। पार्टी प्रैजीडेन्ट अगर हमें कहेगा कि पार्टी का पैसा फलां आदमी ने इकट्ठा किया है और हमारे कोष में नहीं आया तो हम इन्क्वायरी भी करवाएंगे और दोषियों को सलाखों के पीछे बन्द करने का काम भी करेंगे। यह हमारी जिम्मेवारी है कि जनता के गाढ़े खून-पसीने की कमाई को कोई लूट कर न खा जाए। (विघ्न) भजन लाल जी अभी सदन में कहें मैं कल से इन्क्वायरी शुरू करवा देता हूं। (विघ्न)

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : स्पीकर साहब, * * * * *

श्री अध्यक्ष : इनकी कोई बात रिकार्ड न की जाये। हुड्डा साहब आप बैठिये।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : यह पार्टी के अध्यक्ष की बात है, कोई व्यक्तिगत बात नहीं है। (विघ्न) इन दिनों इनका दिमागी संतुलन बिगड़ा हुआ है, इसमें इनका कसूर नहीं है। जब परेशानियां होती हैं तो ऐसे हालात हो ही जाया करते हैं और कई मारें पड़ती हैं। घरेलू मार पड़े, सामाजिक मार पड़े, आर्थिक मार पड़े या कोई भी दिक्कत खड़ी हो जाती है। जो हुआ उसके लिए मैं दोषी नहीं हूं। इन की बगल में बैठा हुआ दोषी है। इसमें मेरा कोई कसूर नहीं है। मैं तो बिल्कुल पाक और साफ हूं। (विघ्न)

चौधरी भजन लाल : स्पीकर साहब, * * *

श्री अध्यक्ष : भजन लाल जी, आप बैठिये। इनकी कोई बात रिकार्ड न करें।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : मैं यही तो कह रहा हूं कि हमारे में और दूसरों में यही तो एक अन्तर है कि दूसरे तोड़ने का काम करते हैं जबकि हम जोड़ने में यकीन रखते हैं। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : बैठे हुए किसी भी सदस्य की बात को रिकार्ड न करें। (विघ्न)

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, * * *

श्री अध्यक्ष : कैप्टन साहब की कोई बात रिकार्ड न करें। कैप्टन साहब, अब आप बैठिये।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, केवल मात्र सड़कों और कृषि के मामले में ही नहीं बल्कि सिंचाई के मामले में भी हमारी सरकार ने जो प्रगति की है वह आपके समक्ष है और सारी बातों को छोड़िये। (विघ्न) यहां पर एस०वाई०एल० के नहर के मुद्दे का जिक्र किया गया। एस०वाई०एल० के मुद्दे पर हम कितने सीरियस थे यह मुझे कहने की आवश्यकता नहीं है। चौधरी बंसी लाल जी ने और भजन लाल जी ने भी इस बात की सराहना की है क्योंकि यह हरियाणा के हितों से जुड़ा हुआ मुद्दा है। अध्यक्ष महोदय, एस०वाई०एल० नहर हरियाणा के लोगों की जीवन रेखा है हमने इसके लिए प्रयास किए और सर्वोच्च न्यायालय का हम इस बात के लिए आभार व्यक्त करते हैं कि आखिर में जाकर उन्होंने हमारी बात को माना। प्रभु की कृपा है कि सर्वोच्च न्यायालय इस बात को मान ही गया है कि हमारे हिस्से का पानी है केवल नहर बनाने का प्रश्न है। इसके लिए पंजाब प्रदेश की कांग्रेस की सरकार को उन्होंने आदेश दिए कि वे नहर बनाएं। भजन लाल जी, मैंने उस वक्त भी आप लोगों से कहा था कि आप लोगों को कोशिश करनी चाहिए और एस०वाई०एल० नहर के मुद्दे को लेकर आप पंजाब सरकार से बात करते क्योंकि वहां पर आपकी पार्टी की सरकार है। अगर आप कोशिश करते तो वे जल्दी से जल्दी इस नहर को बनवा देते । अब आप लोगों ने कोशिश की नहीं या आपकी कोशिश को किसी ने माना नहीं मैं इस बहस में नहीं जाना चाहता लेकिन फिर भी हमने प्रयास करके इसमें सफलता प्राप्त की। (विघ्न) बादल की सरकार के वक्त में यह मांग नहीं थी। चौधरी भजन लाल जी, जब बादल साहब पंजाब के मुख्य मन्त्री थे और मेरे पिता जी हरियाणा में मुख्य मन्त्री थे उस वक्त जमीन अधिग्रहण हुई थी। भजन लाल जी, हुई थी या नहीं हुई थी । इसकी शुरूआत उसी समय हुई

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

थी। उसके बाद जब भी कोई बाधा पड़ी या कोई रूकावट पड़ी तो हम लोग कोर्ट में गए लेकिन जब आप मुख्य मन्त्री बने तो आपने केस विदड्रा कर लिया, हम क्या करते । आपको केस विदड्रा नहीं करना चाहिए था। (विघ्न) चौधरी देवी लाल कोर्ट में गए थे लेकिन उसके बाद जब चौधरी भजन लाल जी मुख्य मंत्री थे उस वक्त कोर्ट से केस वापिस ले लिया गया था। ये सारी बातें रिकार्ड की हैं। (विघ्न) फैसला कहीं नहीं हुआ था फैसला तो अब माननीय सर्वोच्च न्यायालय के विचाराधीन है । कल भी इस केस पर आर्गुमैंट्स हुए थे और आज फिर इसमें आर्गुमैंट्स चल रहे हैं और हम आशावादी हैं और हमें पूर्ण विश्वास और भरोसा है कि सर्वोच्च न्यायालय हमारे पक्ष में फैसला करेगा। अध्यक्ष महोदय, इस मामले में इन लोगों ने कोई योगदान नहीं दिया । हमने जब सर्वदलीय मीटिंग बुलाई तब भी इन लोगों ने उसका बाईकाट किया। ये लोग नहर के मुद्दे पर सीरियस नहीं थे और इन्होंने मीटिंग का बाईकाट किया। बाईकाट करने के बाद निरन्तर कांग्रेस पार्टी के लोगों ने कहा कि हम जेलें भर देंगे। उस नहर के कारण जो पैदावार होनी थी इन लोगों ने उस पैदावार को घटाने का काम किया है। उसके बाद इन लोगों के कभी मुख्य मन्त्री का बहाना लिया और कभी किसी और चीज का बहाना लिया। भजन लाल जी, आपने तीन बार कह कर फिर उस फैसले को स्थगित किया। क्योंकि प्रदेश का भूतपूर्व मुख्य मंत्री कह रहा है, कांग्रेस पार्टी का प्रेजिडैंट कह रहा है कि हम जेलें भरेंगे, स्पीकर सर, हमें तो इनकी बात माननी पड़ती है। हमने यह सोचा कि ये लोग जेलें भरेंगे इसलिए हमने नई जेलें बनवाई और दूसरे खर्च कम किए । यानि जो पैसा विकास के कामों में लगना चाहिए था। इनकी अनर्गल बात की वजह से जेलें बनवाने पर लगा और हमनें जेलें बनवाने का काम किया । अब कर्ण सिंह दलाल को सिपाही भर्ती करने पर ऐतराज है लेकिन हमने सिपाहियों की भर्ती की क्योंकि अगर जेलों में लोग जाएंगे तो जेलों के रख-रखाव भी तो लोग करेंगे नहीं तो जैसे चण्डीगढ़ से अपराधी निकल गए, जेल से कोई निकल न भागे इसलिए हमने जेल वार्डन की भर्ती करने का काम भी किया। मेरे कहने का भाव यह है कि हमने कहीं भी कोई कोताही नहीं बरती । अध्यक्ष महोदय, यह हमारा सहयोगी दल बैठा हुआ है इनकी भी तो कुछ जिम्मेदारी थी कि इस मामले में हमें सहयोग देते। (विघ्न)

श्री कृष्णपाल गुर्जर : अध्यक्ष महोदय, * * * * * * * * * * * *

श्री अध्यक्ष : कृष्णपाल जी, आप बैठें। (विघ्न) आप कुछ सुना भी करें। आप अब बैठें। (विघ्न) इनकी कोई भी बात रिकार्ड न की जाए।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : हरियाणा विधान सभा में भारतीय जनता पार्टी के 6 सदस्य थे लेकिन किसी भी सदस्य ने एक दिन भी एस०वाई०एल० के मुद्दे पर चर्चा नहीं की। सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के बाद भी जब पंजाब की सरकार ने उस नहर को नहीं बनाया, उस फैसले में नीचे एक लाईन लिखी थी कि केन्द्र की सरकार इस नहर को बनवाए। अध्यक्ष महोदय, मैं सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि केन्द्र की सरकार ने लिखित रूप में सर्वोच्च न्यायालय को दिया कि हमें इस सुनवाई से मुक्त किया जाए। ये लोग उस वक्त कहां गए थे? यानि माल किसी का कमाल किसी का, इस प्रकार की अनर्गल बातें ये लोग कहते हैं। अब अगर

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

चहुमुखी विकास करने में लगे हुए हैं दूसरी तरफ विपक्ष के लोगों की तरफ से सहयोग और समर्थन हमें नहीं मिल रहा है और ये लोग कटाक्ष और नुक्ताचीनी करके रूकावटें डाल रहे हैं। तीसरी तरफ जो हमारा सहयोगी दल था, जिसे हमारी सरकार की मदद करनी चाहिए थी, वह बजाए हमारी मदद करने के अगर कहीं फार्म 38 लगाया जाता है तो भारतीय जनता पार्टी के लोग कांग्रेस के साथ मिल कर प्रदर्शन करते हैं। (विघ्न एवं शोर)

श्री कृष्णपाल गुर्जर : अध्यक्ष महोदय, * * * * * * * * * * * *

श्री अध्यक्ष : कृष्णपाल जी, आप बैठें। (विघ्न) चेयर की परमिशन के बिना जो भी बोला जा रहा है वह रिकार्ड न किया जाए।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : सदन का समय बहुत ही बहुमूल्य है। गुर्जर साहब, आप बीच में टोका टाकी नहीं करें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है * * * *।

श्री अध्यक्ष : जो भी बातें बिना इजाजत के बोली जा रही हैं वे रिकार्ड नहीं की जाएं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : ये लोग सर्व दलीय मीटिंग में भी नहीं आए। (शोर एवं व्यवधान) इन लोगों ने तो उल्टा बखेड़ा खड़ा किया था कि हम जेलें भरेंगे, यह करेंगे वह करेंगे। हमने इस बारे में केन्द्र की सरकार से निरन्तर प्रयास किए थे। जब केन्द्र की सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में यह लिख कर दिया था कि हमें इस जिम्मेवारी से मुक्त किया जाए तो भी हम अपनी जिम्मेवारी से पीछे नहीं हटे थे। हमने उसी केन्द्र की सरकार के ऊपर दबाव डालकर सर्वोच्च न्यायालय को यह लिखवा कर दिया था कि जैसे आपके आदेश होंगे हम किसी न किसी एजैन्सी से एस०वाई०एल० नहर के निर्माण का काम करवा लेंगे। (इस समय मेजें थपथपाई गई।) हमने प्रदेश की तरफ से लिख कर दिया कि यह काम बी०आर०ओ० के सुपर्द किया जाए क्योंकि यह नहर हमारी जीवन रेखा है। **(इस समय सभा पतियों की सूची में से श्री राजेन्द्र सिंह बिसला पदासीन हुए।)** जहां कहीं पर भी प्रदेश की सरकार पर केन्द्र की सरकार ने अंकुश लगाने की बात करी है तो हमने उसके लिए आपत्ति की है। हम प्रदेश में सूखे की स्थिति से निपट रहे थे। आपको इस बात की प्रशंसा करनी चाहिए कि हम प्रदेश को उस सूखे की स्थिति से उबारना चाहते थे। आपको मौजूदा सरकार की इस बात के लिए दाद देनी चाहिए कि भंयकर स्थिति के बावजूद भी हरियाणा प्रदेश के चप्पे चप्पे भूमि की सिंचाई की गई। चौधरी भजन लाल जी, जिन ड्रेनों में फल्ड का पानी डाल कर ड्रेनों को चलाया जाता था उन ड्रेनों में पानी डालकर के हरियाणा के चप्पे चप्पे जमीन पर खेती करवाई है, सिंचाई करवाई है। हमने सूखे की स्थिति में लोगों को सुविधा देने के लिए 25 प्रतिशत ज्यादा नहरी पानी चलवाया था। हमने अपने इंजीनियर्ज को यह कहा कि डैम खाली कर दो। इंजीनियर्ज कहते रहे कि डैम खाली हो जाएगा। तो हमने उनसे कहा कि हम आस्तिक हैं और भगवान पर भरोसा रखते हैं। जैसा भगवान् चाहेगा वैसा ही होगा। अध्यक्ष महोदय, आज किसान की धारणा है कि एक बार धरती में बीज चला गया तो उससे कुछ न कुछ जरूर निकलेगा, वह खाली नहीं जाएगा। हमने उनको कह दिया कि डैम से पानी खाली कर दो । भगवान की कृपा हो गई और

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

लोगों को सुविधा देने के लिए 25 प्रतिशत ज्यादा नहरी पानी चलवाया था। हमने अपने इंजीनियर्ज को यह कहा कि डैम खाली कर दो। इंजीनियर्ज कहते रहे कि डैम खाली हो जाएगा। तो हमने उनसे कहा कि हम आस्तिक हैं और भगवान पर भरोसा रखते हैं। जैसा भगवान् चाहेगा वैसा ही होगा। अध्यक्ष महोदय, आज किसान की धारणा है कि एक बार धरती में बीज चला गया तो उससे कुछ न कुछ जरूर निकलेगा, वह खाली नहीं जाएगा। हमने उनको कह दिया कि डैम से पानी खाली कर दो । भगवान की कृपा हो गई और इतना पानी बरस गया । आज भाखड़ा डैम में इतना पानी है जितना आज तक कभी नहीं हुआ था। अध्यक्ष महोदय, मैं यहां पर नहीं था, मेरे कई साथियों ने यह बोलते हुए कह दिया कि बिजली नहीं है। चाहे वे सदस्य दक्षिणी हरियाणा में अटेली के हों या किसी और एरिया के हों मैं उनको यह बताना चाहूंगा कि आप तुलनात्मक दृष्टि से देखें तो इनके एरिया में चप्पे चप्पे भूमि में सिंचाई हुई है और यह सिंचाई बिजली की वजह से ही हुई है। हमने सबसे ज्यादा बिजली वहां पर दी है, नहरों में पूरा पानी चलाने का काम किया है। स्पीकर सर, यह हम किसी प्रतिनिधित्व के लिए नहीं कर रहे हैं, यह हम इसलिए कर रहे हैं ताकि हरियाणा का किसान ऊपर उठ सके उसको लाभप्रद मूल्य मिल सके। यह सब हम इसलिए कर रहे हैं क्योंकि यह हमारी जिम्मेवारी है । हमने उनको ज्यादा बिजली देने का काम किया है। चौधरी भजन लाल के पांच साल के राज में केवल मात्र 118 मैगावाट बिजली का अधिक उत्पादन हुआ है, चौधरी बंसी लाल जी का साढ़े तीन साल का राज रहा है और बी०जे०पी० भी उनके साथ थी, उनके वक्त में 199 मैगावाट बिजली का अधिक उत्पादन हुआ है और हमने अपने इन चार साल के राज में 815 मैगावाट बिजली का उत्पादन किया है। हम शुगर मिलों में गन्ने की खोई से भी 100 मैगावाट बिजली बना रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, हम शहरों को सुन्दर बनाने के पक्षधर हैं, हम शहरों को ब्यूटीफाई कर रहे हैं, वहां पर जो कूड़ा कर्कट होता है उस बारे में हमारा विचार है कि उससे भी बिजली पैदा की जाए। हमारी सरकार के वक्त में जब चौधरी देवी लाल जी मुख्यमंत्री थे, पानीपत में 210 मैगावाट की छठी यूनिट शुरू की गई थी और उस वक्त इसका 200 करोड़ रुपए का एस्टीमेट था। उसके बाद वाली सरकारों ने इस बारे में कोई ध्यान नहीं दिया और इसको ठण्डे बस्ते में डालने का काम किया। हमारी सरकार आने के बाद यूनिट का काम दोबारा से शुरू किया है और उस पर अब 900 करोड़ रुपए का खर्चा आ रहा है। यानि जनता के खून पसीने की गाढ़ी कमाई के 700 करोड़ रुपए उसमें चले गए, इसमें इन लोगों की कोई दिलचस्पी नहीं है। हमने पानीपत थर्मल प्लांट की सातवीं और आठवीं यूनिट जो 250-250 मैगावाट की हैं, को बनाने के लिए भारत हैवी इलैक्ट्रिक्ल लिमिटेड यानी भेल को ज्यादा पैसा देकर इस शर्त के साथ काम दिया है कि वे हमें 2004 के अंत तक 500 मैगावाट बिजली पैदा करके देंगे क्योंकि बिजली की आज नसैसिटी है। आज किसान के खेत के लिए बिजली चाहिए, व्यापार के लिए बिजली चाहिए। उद्योगों के लिए बिजली चाहिए और सार्वजनिक जीवन में भी बिजली अति आवश्यक है। मैं आज फख्र के साथ कह सकता हूं कि हमने बिजली का उत्पादन बढ़ाया है। जहां पहले जून और जुलाई के महीनों में बिजली की कमी को लेकर कोहराम मच जाया करता था वहीं आपने कभी भी टी०वी० पर ऐसी खबरें नहीं सुनी होंगी कि हरियाणा में बिजली का अभाव है जबकि दूसरे प्रदेशों के बारे में ऐसी चर्चा आती रही हैं। चन्द लोग यह बात कहते हैं लेकिन हरियाणा प्रदेश के लोग इस बात से संतुष्ट हैं कि उन्हें पर्याप्त मात्रा में बिजली मिलती है। भजनलाल जी, हमारी सरकार बनने के बाद हमने तो

आपकी सरकार के उस फैसले को भी बदला। हालांकि उस समय इसको लेकर अखबारों की सुर्खियों में छपता था और लोगों में भी बड़ी चर्चाएं चलती थीं कि वर्ल्ड बैंक से जो समझौता हमने तोड़ लिया था उसकी वजह से हरियाणा में बिजली में दिक्कत आ जाएगी। हमने अपने साधनों से प्रयास कर बिजली की दिक्कत नहीं आने दी । हमने अपने दोस्तों मित्रों से मदद ली लेकिन हमने वर्ल्ड बैंक को नकार दिया क्योंकि अगर वर्ल्ड बैंक का वह समझौता रहता तो बिजली आज के दाम से भी छः गुना ज्यादा दाम पर उपभोक्ताओं को मिलती जबकि आज हम सस्ती बिजली दे रहे हैं। भजनलाल जी, आप आज की सरकार को और पुरानी सरकार को इस बारे में तुलनात्मक दृष्टि से देखें। आपकी सरकार के वक्त में बिजली के टैरिफ और चौधरी बंसीलाल की सरकार के वक्त में बिजली के टैरिफ बढ़े थे लेकिन हमारी सरकार के वक्त में बिजली का टैरिफ बढ़ने के बजाए कम हुए हैं। (विघ्न) जो बात तथ्यों पर आधारित हो उसको आपको मानना चाहिए। कुछ लोग अनर्गल बातें करते हैं लेकिन उनको यह भी नहीं पता कि बिजली कैसे पैदा होती है, फ्यूल क्या होता है और कोयला कहां से आता है, लेकिन इस तरह के लोग आधारहीन बात कहते रहते हैं और जब कोई जानकार आदमी उसका उल्लेख करना चाहे तो ऐसे लोगों को ही परेशानी होती है। विपक्ष के नेता ने भी इस बारे में कह दिया ।

चौ० भजनलाल : चेयरमैन साहब, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। मुख्यमंत्री जी बोल रहे हैं। अब इनकी जुबान तो हम बंद नहीं कर सकते लेकिन ये कहते हैं कि बिजली हमने पैदा कर दी। अगर बिजली इन्होंने पैदा कर दी तो वह गयी कहां ? आज प्रदेश में 6 घंटे से ज्यादा बिजली नहीं मिलती जबकि ये कहते हैं कि बिजली ज्यादा मिलती है। हिसार और भिवानी जिलों की नहरों की टेलों पर कभी भी पूरा पानी नहीं पहुंचा है। आधी टेलों पर भी पानी पूरा नहीं पहुंचा है। (शोर)

श्री सभापति : भजन लाल जी, आप बैठें। आपका यह कोई प्वायंट ऑफ आर्डर नहीं है।
(इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए)

श्री राम किशन फौजी : उपाध्यक्ष महोदय, ये हाउस को गुमराह कर रहे हैं। न बिजली है न पानी है।

श्री उपाध्यक्ष : फौजी साहब, आप बैठ जाएं।

श्री ओमप्रकाश चौटाला : उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी भजनलाल जी कह रहे हैं कि बिजली कहां गयी। भजनलाल जी, आपकी सरकार के वक्त में 3600 किसने ट्यूबवैल के कनैक्शन मिले थे जबकि हमारी सरकार बनने के बाद 36 हजार ट्यूबवैल्ज के कनैक्शन मिले हैं आपकी सरकार के वक्त में हरियाणा प्रदेश में साढ़े चार हजार उद्योग धंधे थे जबकि हमारी सरकार में वह 82 हजार हैं।

चौ० भजनलाल : क्या ये सारे आपके वक्त के हैं ?

श्री ओम प्रकाश चौटाला : उपाध्यक्ष महोदय, आज 82 हजार उद्योग धंधे हैं, (विघ्न) हुड्डा साहब, आपको जाने नहीं दूंगा। आज मैं सारी बातें कहूंगा क्योंकि यह आखिरी बजट सत्र है। (विघ्न) भूपेन्द्र सिंह जी, आखिरी गवर्नर भाषण है लेकिन सरकार का तो अभी एक साल बकाया है। जो आप कह रहे हैं कि फिर तो आपने आना नहीं है लेकिन मैं चेलैंज के साथ कहता

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

हूं कि मैं ही यहां होऊंगा आप नहीं होंगे । उपाध्यक्ष महोदय, आज उपभोक्ता की भी सोच बदल गयी है। चौधरी साहब, आज घर घर में रैफ्रीजरेटर लगे हुए हैं। कपड़े धोने की मशीनें लगी हुई हैं, एयर कंडीशनर्ज लगे हुए हैं और हीटर्ज लगे हुए हैं। पहले जब बिजली नयी नयी आयी थी तो हमें पता था। उपाध्यक्ष महोदय, मैं एक सम्पन्न परिवार का सदस्य हूं। पहले मेरे घर का बिजली का बिल तीन और पांच रुपये के बीच में आता था लेकिन आज मेरे घर के बिजली का बिल चार और पांच हजार रुपये के बीच में आता है। लोगों की सोच बदल गई है और उस सोच के मुताबिक बिजली की खपत बढ़ी है। उस खपत के मुताबिक हम उत्पादन बढ़ा रहे हैं और आगे और भी बढ़ाएंगे। चौधरी साहब, यमुनानगर थर्मल पॉवर प्लांट के लिए चौधरी देवी लाल जी के वक्त में भूमि का अधिग्रहण किया गया था और हमने करोड़ों रुपये की लागत से उसकी बिल्डिंग भी बना दी थी। हमारी सरकार के होते हुए हमने एन०टी०पी०सी० को प्लांट बनाने का काम दे दिया था। उस प्लांट पर काम शुरु होने को था कि हमारी सरकार चली गई और आप मुख्यमंत्री बन गए और उसे आपने उठाकर कोल्ड स्टोरेज में रख दिया। जब लोगों ने उसका काफी विरोध किया और कहा कि हमारा यह थर्मल पॉवर प्लांट चालू किया जाए तो उस वक्त के प्रधानमंत्री श्री पी०वी० नरसिम्हाराव ने फरीदाबाद से बैठे बैठे यमुनानगर थर्मल पॉवर प्लांट की रिमोट से आधारशिला रखी थी क्योंकि उस वक्त उनके पास समय नहीं था आज तो उसके पास इतना समय है कि चाहे गाड़े भर लो, आज उनके पास फुर्सत है। उस रिमोट कंट्रोल से रखी गई आधारशिला का जो हश्र होना था वह आपके सामने है। आपको इस बात की सराहना करनी चाहिए कि हमारी सरकार ने आकर उस प्लांट पर फिर से काम शुरू किया है और हम उसको शुरू करने जा रहे हैं। इसी प्रकार से हिसार में भी हम एक थर्मल पॉवर प्लांट बनाने जा रहे हैं। हमारा विचार है कि जब परिवार बढ़ेगा तो जमीन की जोत घटेगी और जब जोत घटेगी तो कृषक के सामने अपनी जरूरियात पूरी करने के लिए अखराजात में कठिनाई आएगी इसलिए हम प्रदेश का औद्योगिक विकास कर रहे हैं। अगर उद्योग धंधों को बढ़ावा दिया जाएगा तो निश्चित रूप से उद्योगों में उत्पादन की धुरी बिजली है और हमें बिजली का उत्पादन बढ़ाना पड़ेगा। हम अपने प्रयासों से अपनी ऐफर्ट्स से बिजली बढ़ा रहे हैं। हम चाहते हैं कि आपका सहयोग और समर्थन भी होता और पैसे के लालच में इस तरह के विवाद न खड़े किए जाते। भजन लाल जी, आपने कल एक अनर्गल बात भी कह दी कि किसान यूनियन के नाम पर दस लोग भी मारे थे। आपको शायद जानकारी नहीं है कल आपने अपनी स्पीच में कह दिया था कि घासी राम नैन को मारने के मामले में किसान यूनियन के 10 लोग मार दिए गए थे। मुझे बताया गया है कि आपने अपने ब्यान में दस लोगों के मरने के बारे में कह दिया था। कम से कम इस सदन में तो आपको सही आंकड़े प्रस्तुत करने चाहिए।

चौ० भजन लाल : मैंने 9 का बोला है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : आपके मुंह से तो जंचता ही दस का है। हमारी तरफ से गन्ने का भाव 110/- रुपये प्रति क्विंटल मुकर्रर किया गया था उसकी ठेकेदारी भी कल आपने ही ले ली।

चौ० भजन लाल : 110 रुपये का रेट भी हमारे वक्त का है। (विघ्न) यह रिकार्ड की बात है।

श्री उपाध्यक्ष: भजन लाल जी, कल आपको बोलने के लिए थोक में टाईम दिया गया था।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अब भी यही कह रहे हैं अब इनका क्या करें। चौधरी भजन लाल जी, आप जब प्रदेश के मुख्यमंत्री थे तब गन्ने का भाव 50 पैसे प्रति क्विंटल के हिसाब से बढ़ता था और किसान जब उसका विरोध करते थे तो उन पर घोड़ा पुलिस दौड़ाई जाती थी, ठंडे पानी के फव्वारे चलवाये जाते थे। कंवर पाल इस बात के गवाह हैं। ये भुक्त भोगी हैं।

श्री कंवर पाल : उपाध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी की यह बात सही है मैं इस बात का गवाह हूं कि उस समय जो किसान धरना देते थे उन पर घोड़ा पुलिस दौड़ाई जाती थी, ठंडे पानी के फव्वारे चलवाए जाते थे, लोगों को लठ्ठ मारे जाते थे।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : आप 110 रुपये के रेट की बात करते हैं आपने यह तो किया होगा कि जहां 110 रुपये का रेट मिल रहा था और कहीं प्राइवेट मिल वाला पूरे पैसे नहीं दे रहा था तो उन किसानों को बहकाने का काम तो आप करते थे और कहते थे कि आपको 90 रुपये दे रहे हैं आप सरकार से 30 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से और लेने का काम करो। जो लोग बिजली के पूरे बिल भरते हैं और जिनको रियायतें दी उनको जाकर आप कहते रहे हैं कि ये तो चार आने दे रहे हैं और आप बारह आने दे रहे हैं इस प्रकार से आपने प्रदेश के लोगों को बहकाने में तो पूरी दिलचस्पी ली । आपकी प्रदेश के हितार्थ सोच कभी अच्छी नहीं रही । (विघ्न) चौधरी भजन लाल जी, हमने प्रदेश में सड़कों का सुधार किया, बिजली का उत्पादन बढ़ाया, उद्योग धंधों को बढ़ावा दिया, कृषि का उत्पादन बढ़ाया और उसके साथ ही कृषि की पैदावार के आप आंकड़े लें तो पिछले साल के मुकाबले और ज्यादा बढ़ावा कृषि उत्पादन को दिया। यह सुनकर आपको गर्व होना चाहिए कि प्रदेश की मौजूदा सरकार के शासनकाल में प्रति व्यक्ति इन्कम लगभग सात हजार रुपये बढ़ी है। 19 हजार रुपये से अधिक पिछले साल थी जो बढ़कर के 26 हजार रुपये से अधिक हो गई है। प्रति व्यक्ति इन्कम हम ने बढ़ाई है। मैं इस बात का पक्षधर हूं कि हमारी एस०वाई०एल० नहर मुकम्मल हो जायेगी और निश्चित रूप से वह इस साल बनकर के तैयार हो जायेगी। चौधरी बंसीलाल जी उसके रास्ते में बाधक थे वे आज हाउस में नहीं हैं। इस नहर का फैसला होते वक्त आपको अच्छी तरह से याद होगा कि चीफ इंजीनियर श्री पाठक थे। श्री पाठक ने यह कहा था कि चौधरी साहब नहर हमेशा मुढ़ से शुरू की जाती है और ड्रेन हमेशा टेल से शूरू की जाती है। आप पंजाब के हिस्से में से उस नहर को जल्द से जल्द निकालो। लेकिन कमीशन खाने के लिए चौधरी बंसीलाल ने उसको टेल से शूरू किया। (विघ्न)

श्री रामकिशन फौजी : उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है।

श्री उपाध्यक्ष : आप बैठिये। आपका जिक्र नहीं है।

चौ० भजनलाल : उपाध्यक्ष महोदय, जो आदमी इस सदन में मौजूद नहीं उसका नाम लेना ठीक नहीं है।

श्री ओम प्रकास चौटाला : उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी साहब को शायद यह नहीं मालूम कि जो आदमी मर जाता है उसका नाम सदन में नहीं लिया जाता ।

चौ० भजन लाल : उपाध्यक्ष महोदय, जो आदमी इस सदन में मौजूद नहीं उसका नाम लेना ठीक नहीं है।

श्री उपाध्यक्ष : आप बैठिये । आपका जिक्र नहीं है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : चौधरी भजनलाल जी, आप सीजन्ड पोलिटीशियंज हैं आपको पता होना चाहिये कि हाउस में उस आदमी का नाम नहीं लिया जाता जो या तो स्वर्ग सिधार जाए या सदन का सदस्य न हो। अभी तो चौधरी बंसीलाल जी इस महान् सदन के सम्मानित सदस्य हैं। यह बात अलग है कि वह अगली दफा नहीं आयेंगे लेकिन आज हैं। चौधरी भजनलाल जी, आपको याद होगा पिछले सैशन में जब चौधरी देवीलाल जी की मूर्तियों को तोड़ने की बात उन्होंने कही थी उस वक्त भी मैंने कहा था, चौधरी बंसीलाल जी, सम्मानित व्यक्तित्व के जो मालिक होते हैं उनकी मूर्तियां स्थापित की जाती है। यह देश ऋषि मुनियों का देश है, पीरों फकीरों का देश है, देश भक्तों का देश है, महापुरूषों का देश है। हमने केवल इसलिए चौधरी देवीलाल जी की स्टेच्यू नहीं लगाई हैं कि वे मौजूदा मुख्यमंत्री के पिता हैं। हमने हर शहीद की मूर्ति लगाई है, हमने हर महापुरूष की मूर्ति लगाई है। हमने श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की मूर्ति लगाई है। हम तो पानीपत में देश बन्धु गुप्ता जी की मूर्ति भी लगाने जा रहे हैं। हम सभी शहीदों को सम्मान देते हैं और यह सम्मान इसलिए देते हैं कि शहीद की तस्वीर को देखकर लोग प्रेरणा लें। नई पीढ़ी का बच्चा किसी एजुकेशन इस्टीच्यूट या कहीं पर भी स्थापित तस्वीर को देखेगा तो उसको उसके महान् सपूत के जीवन से प्रेरणा मिलेगी। चौ० देवी लाल मेरे पिता थे उनकी मूर्ति नहीं लगाई । हिन्दुस्तान की पार्लियामैंट में आज पार्लियामैंट के भवन में केवल चार राजनेताओं की स्टेच्यू हैं। स्वर्गीय राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, स्वर्गीय पंडित मोती लाल नेहरू, डाक्टर भीमराव अम्बेडकर की और उनके बीच में चौधरी देवीलाल जी की मूर्ति स्थापित है। विश्व के सबसे बड़े प्रजातांत्रिक देश हिन्दुस्तान में, हमारे प्रजातंत्र के मन्दिर लोकसभा के प्रांगण में अगर गांव में पैदा हुए एक व्यक्ति की मूर्ति उन राजनेताओं की श्रेणी में खड़ी है तो हरियाणा प्रदेश के लोगों को इसके लिए फख्र करना चाहिए। मैंने कहा था चौधरी बंसी लाल जी, यह स्थापित मूर्तियां तोड़ने का काम नहीं है। उनकी समझ में तो यह बात भी नहीं आई थी जब चौधरी भजनलाल जी ने यह कहा था कि हम मूर्तियों को तोड़ेंगे तो नहीं लेकिन जब हमारी सरकार बनेगी तो चौधरी बंसीलाल जी को ऑन डेपुटेशन लेंगे। चौधरी बंसी लाल जी को यह समझ में नहीं आया कि डेपुटेशन पर सरकारी कर्मचारी और अधिकारी तो आते हैं क्या कभी राजनेता भी आया करते हैं ? चौधरी भजन लाल जी, आप तो चटखारे ले लेते हैं लेकिन उनकी समझ में बात नहीं आती । फिर चौधरी देवीलाल जी की तस्वीर तोड़ना आज किसी के बस की बात नहीं है। चौधरी देवीलाल जी जन-नायक है। हरियाणा प्रदेश के दो करोड़ दस लाख लोग ही नहीं पूरे भारतवर्ष के ग्रामीण अंचल में बसने वाला हर किसान और कमेरा चौधरी देवीलाल को पूर्ण रूप से समर्पित है। वैसे कोई ऐसी बात नहीं है। जब मैंने यह कहा था बंसीलाल जी, आपको ऐसा कोई अवसर मिलेगा नहीं, इस बात पर वे भड़क उठे थे और कहने लगे जरूर मिलेगा। मैंने कहा था, "ना नौ मण तेल होगा, ना राधा नाचेगी" । फिर उन्होंने भड़ककर कहा था कि राधा नाचेगी। मैंने कहा, इस सदन में तो नाचेगी नहीं, गोलागढ़ के शमशान में जरूर नाचेगी। ऐसे लोगों से भी हमारा वास्ता है। हम उनको बर्दाश्त करते हैं।

श्री राम किशन फौजी : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है।

श्री उपाध्यक्ष : आप बैठिये। आपका जिक्र नहीं है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : उपाध्यक्ष महोदय, मैं यह कह रहा था कि हमने कृषक को अनेक प्रकार की सुविधाएं प्रदान की हैं। हमने कृषक को लाभप्रद मूल्य दिया है उसकी खेती की पैदावार को बढ़ाया है। उसके साथ-साथ हमने हरियाणा में व्यापारियों को भी अनेक प्रकार की सुविधाएं प्रदान की हैं। चौधरी भजन लाल जी, एक वह समय भी था जब व्यापार यहां से चौपट हो गया था। हमारी सरकार आने के बाद हमने 21 जिन्सों पर से मार्किट फीस आधी करके व्यापारी के व्यापार को बढ़ावा दिया है। हमने उस बात को भी सच साबित कर दिया उल्टे बांस बरेली को। हरियाणा प्रदेश का जो उत्पादन पहले के हमारे साथ लगते दिल्ली के एरियाज नरेला और नजफगढ़ की मण्डियों में बिकने के लिए जाया करता था आज वहां के उत्पादन हमारे यहां आकर बिक रहे हैं। आज हमारी स्टेट के व्यापारियों के चेहरे पर रौनक है और दिल्ली का उत्पादन हमारी मण्डियों में आकर बिकता है। उपाध्यक्ष महोदय, कर्ण सिंह दलाल जी कह रहे थे कि यू०पी० का माल आ गया। यह भी हमें श्रेय जाता है कि हमारी सरकार की अच्छी नीति है जिसकी वजह से यू०पी० और राजस्थान के किसानों का माल हमारी मण्डियों में आकर बिकता है जिसकी वजह से हमारा रैवेन्यू बढ़ता है। हमें सेल्जटैक्स मिलता है, हमें मार्केट फीस मिलती है और उसकी वजह से हमारा एच०आर०डी०एफ० बढ़ता है। उपाध्यक्ष महोदय, हमने इन्सपैक्टरी राज को जड़ मूल से समाप्त कर दिया है। आज कोई इन्सपैक्टर दुकानदार की दुकान पर सामान खरीदने के लिए तो जा सकता है लेकिन उसकी बही खाते चैक करने नहीं जा सकता क्योंकि उन्हें इसकी अनुमति नहीं है। ओम प्रकाश जिंदल जी यहां बैठे हुए हैं। ये हमारी इस बात की पुष्टि भी करेंगे।

श्री ओम प्रकाश जिंदल : उपाध्यक्ष महोदय, मैं इस बारे में क्या बताऊं, मैं तो दुकान पर बैठता नहीं हूं।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : उपाध्यक्ष महोदय, लेकिन इनको इस बात की जानकारी तो होगी। मेरे कहने का भाव यह था कि हमारी सरकार ने व्यापारियों के व्यापार को बढ़ावा देने के लिए उन्हें बहुत सुविधाएं दी हैं। मैहसूल और चुंगी जैसी लानत हटाने का निर्णय बी०जे०पी० वालों ने लिया था। चौधरी बंसी लाल जी ने इनको साढ़े तीन साल तक मैहसूल चुंगी हटाने के लिए टरकाया और ये मैहसूल चुंगी नहीं हटवा सके। इन्होंने अपने चुनाव घोषणा पत्र में भी महसूल चुंगी हटाने की बात की थी। उपाध्यक्ष महोदय, हमारे चुनाव घोषणा पत्र में इस तरह की कोई घोषणा नहीं थी लेकिन हमारी सरकार आते ही हमने मैहसूल चुंगी की इस लानत को हटा दिया, समाप्त कर दिया। जहां पहले सम्मानित परिवार के लोगों की मैहसूल चुंगी के लिए तलाशी ली जाती थी अब तलाशी नहीं ली जाती। उपाध्यक्ष महोदय, मैं चौधरी भजन लाल जी को बताना चाहूंगा कि हमारी सरकार ने पांच करोड़ रुपये तक की सेल्फ एसैसमैंट का कानून बनाया है जो कि दुनियां के किसी मुल्क में नहीं है। उपाध्यक्ष महोदय, क्या जिंदल साहब को इसके बारे में भी जानकारी नहीं है ?

श्री ओम प्रकाश जिंदल : उपाध्यक्ष महोदय, इन्होंने जो टैक्स माफ किए थे उससे 10 और 20 गुणा टैक्स इन्होंने लगा दिए।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : उपाध्यक्ष महोदय, ये तो एल०ऐ०डी०टी० की बात कर रहे हैं। उसके बारे में भी मैं इनको अभी बताउंगा जिसके ये 18 करोड़ रुपये खा गये हैं। उपाध्यक्ष महोदय, मैं तो जिंदल साहब से यह पूछना चाहता हूं कि क्या इनको 5 करोड़ रुपये की सेल्फ एसैसमैंट के बारे में जानकारी है या नहीं।

श्री ओम प्रकाश जिंदल : उपाध्यक्ष महोदय, इसके बारे में मुझे मालूम नहीं है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : उपाध्यक्ष महोदय, एल०ऐ०डी०टी० का जो ये माल खा रहे हैं। उसके बारे में तो इनको मालूम है और इसका मालूम नहीं है। यह सरकार किसी को माल खाने नहीं देगी, सरकार का पैसा सरकार के खजाने में आयेगा, हम इस बात के लिए वचनबद्ध हैं। हम जनता के रखवाले हैं और जनता का पैसा जनता के हितार्थ खर्च होना चाहिए, यह हमारी जिम्मेवारी है। उपाध्यक्ष महोदय, विपक्ष के साथियों ने इस बात का बड़ा प्रचार किया है और निरन्तर कहते रहते हैं कि उद्योग धन्धे हरियाणा से पलायन कर रहे हैं। इस बारे में मैं बताना चाहूंगा कि हमारी सरकार आने के बाद एक भी कारखाना हरियाणा प्रदेश को छोड़कर दूसरे प्रदेश में नहीं गया है लेकिन विपक्ष के साथी अनर्गल और मिथ्या प्रचार करते रहते हैं। उपाध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार बनने के बाद औद्योगिक विकास बढ़ा है। जहां पहले प्रदेश 4.50 करोड़ रुपये का एक्सपोर्ट करता था आज वह 10.50 हजार करोड़ रुपये का एक्सपोर्ट कर रहा है। इन्फर्मेशन टैक्नालोजी में जहां पहले हमारा प्रदेश 16वें नम्बर पर था आज वह दूसरे स्थान पर है। पहले जहां सोफ्ट वेयर का एक्सपोर्ट 300 करोड़ रुपये का होता था वह आज 4.50 हजार करोड़ रुपये का हो रहा है। इसमें हमारे दो लाख बच्चों को रोजगार मिला है। हमारी सोच केवल मात्र एक है कि हरियाणा प्रदेश का औद्योगिक विकास हो, हरियाणा प्रदेश के कृषकों को लाभप्रद मूल्य मिले, हमारे बच्चों को अच्छी शिक्षा मिले और हरियाणा के आम नागरिक को अनेक प्रकार की सुविधाएं मिलें। उपाध्यक्ष महोदय, हम जब बच्चे थे तब पढ़ा करते थे कि पैरिस में सीमेंट की सड़कें हैं। चौधरी भजन लाल जी, आज हरियाणा प्रदेश के सैंकड़ों गांवों में सीमेंट की सड़कें बन रही हैं और पूरे प्रदेश में बनेंगी। उपाध्यक्ष महोदय, विपक्ष के साथियों को सरकार की इस बात के लिए सराहना करनी चाहिए कि हमारी सरकार ने हरियाणा के हर नागरिक को पीने का स्वच्छ पानी मुहैया कराने के लिए प्रयास किए हैं और इसमें सरकार को बहुत अधिक सफलता भी मिली है। जबकि पहले वाली सरकारों के समय में कुछ नहीं किया जाता था, चौधरी भजन लाल जी मैं आंकड़ों की बात कर रहा हूं। पहले आप लोग अपनी जेब भरने का काम करते थे उसके अलावा आपको कोई काम नहीं था।

चौ० भजन लाल : उपाध्यक्ष महोदय, जेबें भरने का काम तो ये लोग कर रहे हैं।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : उपाध्यक्ष महोदय, हमारी जेबें तो चीटों से भरी होती हैं। मैं चौधरी भजन लाल जी से पूछना चाहता हूं कि कल जब इन्होंने 50 मिनट तक सदन का समय बर्बाद किया उस समय हमारी तरफ से किसी ने इनको बीच में टोका क्या, आज ये मुझे इन्ट्रप्ट क्यों कर रहे हैं।

चौ० भजन लाल : उपाध्यक्ष महोदय, मुझे कल इनकी तरफ से टोका गया था।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : उपाध्यक्ष महोदय, हमारी तरफ से किसी ने इनको इन्ट्रप्ट नहीं किया। हमारी पार्टी एक disciplined पार्टी है। मेरा अनुरोध हमारे साथी मान लेते हैं लेकिन ये अपने नेता की बात भी नहीं मानते । उपाध्यक्ष महोदय, मेरी समझ में नहीं आ रहा कि किस हिसाब से विपक्ष के साथी कह रहे हैं कि हम विधान सभा भंग करें। भारतीय संविधान के मुताबिक जनता ने हमें पांच साल के लिए चुनकर भेजा है और हमारी जिम्मेवारी है कि हम पांच वर्ष तक जनता की सेवा करें। (शोर एवं व्यवधान) आज कौन सी ऐसी परिस्थितियां पैदा हो गई है कि विधान सभा डिजोल्व की जाये । एक तरफ तो ये लोग हरियाणा विधान सभा डिजोल्व करने की बात करते हैं और दूसरी तरफ जब केन्द्र की पार्लियामेंट डिजोल्व होती है उस पर इनको आपत्ति होती है और ये लोग उसका विरोध करते हैं और कहते हैं कि असंवैधानिक तरीके अख्तियार किए गए हैं। (विघ्न) मैं इनको खुली चुनौती देता हूं ये सरकार के खिलाफ नो-कांफीडेंश मोशन ले आएं, अब तो इनको ये दूसरे 6 साथी भी मिल जाएंगे, इनको आटे-दाल का भाव पता लग जायेगा। इनको खुली छूट है, मैं चुनौती के साथ कहता हूं कि ये लोग नो कॉफिडेंस मोशन लाएं। (विघ्न) मैं चौधरी बंसी लाल जी की भाषा में तो बोलना नहीं चाहूंगा। मेरे कहने का भाव यह है कि हम जनतांत्रिक तरीके से चुन करके आये हैं। मेरे कहने का भाव यह है कि हम जनता के चुने हुए प्रतिनिधि हैं, जनता ने हमारे प्रति 5 वर्ष के लिए अटूट विश्वास व्यक्त किया है। हम उनका विश्वास टूटने नहीं देंगे। (विघ्न) डबवाली के म्युनिसिपल चुनाव में बी०जे०पी० और कांग्रेस इक्ट्ठी थी, क्या इनकी पार्टी वहां पर जीती ? आपके लोगों ने वहां पर बी०जे०पी० के बैनर तले चुनाव लड़ा क्या किसी को जिता कर लाये ? बहादुरगढ में भी क्या किसी को जिता कर लाये। (विघ्न) यह भी बोलते हैं जिस पार्टी का अध्यक्ष कांग्रेस पार्टी के साथ धरने पर बैठता हो, क्या वह पार्टी अपने आपको पार्टी मानकर चलती है, क्या इन्हें ऐसा शोभा देता है। क्या इनकी कोई पार्टी है। (विघ्न) इन लोगों की कोई हैसियत नहीं है यमुनानगर में क्या हम इनकी वोटों से जीते थे ? हम वहां पर इनकी जमानत जब्त करवा कर आये थे। फतेहाबाद में इन्होंने भजन लाल जी, के भतीजे की मदद की थी, वहां पर भी हम जीत करके आये थे। (विघ्न) ये फिजूल की बात करते हैं, अपनी हैसियत का तो इनको पता नहीं। (विघ्न)

श्री कृष्ण पाल गुर्जर : डिप्टी स्पीकर साहब, * * * *

श्री उपाध्यक्ष : इनकी कोई बात रिकार्ड न की जाये कृष्णपाल जी, आप बैठिये कोई भी सम्मानित सदस्य बगैर इजाजत के नहीं बोलेगा।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : मेरे कहने का भाव यह था कि मौजूदा सरकार ने विकास के कामों को गति दी और विपक्ष के लोगों की नुक्ताचीनी को सहन किया पर बदकिस्मती से जो हमारे सहयोगी थे, वह सरकार का सहयोग करने की बजाये हर स्तर पर सरकार की नुक्ताचीनी करते रहे । चाहे वह फार्म 38 की बात थी, चाहे वह वैट की बात थी, चाहे वह हाउस टैक्स की बात थी या चाहे वह म्युनिसिप्ल चुनाव थे। और तो और इनके प्रतिनिधि एस०वाई०एल० के मामले मे भी कुछ नहीं कर पाये। सूखा राहत के नाम पर जब हरियाणा प्रदेश अपने तौर पर किसानों को राहत प्रदान करने का पक्षधर था तब केन्द्र की सरकार की तरफ से मदद देने की बजाये

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

उन्हें उकसाने का काम किया करते थे। केन्द्र की सरकार की तरफ से चर्चा की गई कि हम सूखा राहत के नाम पर हरियाणा प्रदेश को बहुत बड़ा पैकेज देने जा रहे हैं। हम बड़े खुश थे कि हमें कोई बड़ा पैकेज मिलने जा रहा है और जब पैकेज दिया गया तो बहुत निराशा हुई। किसान को राहत प्रदान करने के लिए केन्द्र की सरकार ने लम्बी अवधि तक के जो कर्जे हैं उनका ब्याज माफ करने की बात की। अगले दिन हमारे पास चिट्ठी आ गई कि यह ब्याज प्रादेशिक सरकारें वहन करेंगी। गन्ने के भाव के बारे में बड़ा पैकेज देने की चर्चा की गई थी और कहा गया था कि किसानों को सरकार की तरफ से मदद दी जायेगी। जब पैकेज आया तो उसमें यह कहा गया कि प्रादेशिक सरकारें इण्डस्ट्रीयलिस्ट को पैसा दें यानि शूगर मिल्ज को पैसा दें। मैंने यह बात चीफ मिनिस्टर की कौंसिल में भी उठायी थी । श्रीनगर में और हर मौके पर मैंने यह मुद्दा उठाने का काम किया। (विघ्न) ये लोग लोन की बात करते हैं। जब केन्द्र का बजट आया तो उसमें बजट के माध्यम से प्रचारित किया जा रहा है कि किसानों को बड़ी राहत दी गई है। बेचारे किसानों को तो इस बात का ज्ञान भी नहीं था कि उन्हें किसी किस्म की कोई राहत इस बजट में नहीं दी गई। (विघ्न)

श्री कृष्ण पाल गुर्जर : डिप्टी स्पीकर साहब, * * * * *

श्री उपाध्यक्ष : चेयर की परमिशन के बगैर जो कुछ बोला जाये वह रिकार्ड न किया जाये। (विघ्न) आप बैठिये। आपकी कोई बात रिकार्ड नहीं हो रही ।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : उपाध्यक्ष महोदय, इन बेचारों को तो पता ही नहीं है कि बजट स्पीच में इनका कितना उल्लेख किया गया है और बजट में रियायतें किस को दी गई हैं टैलीफोन सस्ते किए गए, हवाई सफर सस्ता किया गया, इण्डस्ट्रियलिस्टों को, पैसे वालों को, कर्मचारियों को सुविधाएं दी गईं लेकिन किसान को एक पैसे की भी राहत नहीं दी गई, किसान को कोई सुविधा नहीं दी गई। (विघ्न) उपाध्यक्ष महोदय, मेरे कहने का भाव यह है कि हमने अपने एफर्टस से, हमने अपने प्रयासों से और अपने सीमित साधनों का उपयोग करके हरियाणा प्रदेश का बहुमुखी विकास किया है। हमने हर स्तर पर हरियाणा प्रदेश को प्रगति के पथ पर बढ़ाया है। हमने हर वर्ग को सन्तुष्ट करने का काम किया है और हमने प्रदेश के कर्मचारियों को भी कई प्रकार की सुविधाएं प्रदान की हैं। हम चाहते हैं कि इस प्रदेश को बनाने में जहां हमारी पार्टी के लोगों ने, प्रदेश की जनता ने हमारा समर्थन किया है वहीं पर अपने प्रदेश के उन अधिकारियों और कर्मचारियों की भी प्रशंसा करना चाहूंगा जिन्होंने रात दिन कड़ी मेहनत करके चौधरी देवी लाल के स्वप्नों के हरियाणा को विकसित बनाने में अहम् भूमिका निभाई है। इसी लिए हमने उन सरकारी कर्मचारियों को भी अनेक प्रकार की सुविधाएं प्रदान की हैं। उपाध्यक्ष महोदय, हम जानते हैं कि अगर हम किसी को राहत देंगे ज्यादा सुविधाएं देंगे तो वह ज्यादा हौसले से काम करेगा। हमारी सोच केवलमात्र एक ही है कि हरियाणा प्रदेश का चहुमुखी विकास हो सके इसके लिए मैं सदन के समस्त सम्मानित साथियों से विशेष रूप से अनुरोध करना चाहूंगा कि केवल नुक्ताचीनी की दृष्टि से ही बात न करें। स्वस्थ प्रजातान्त्रिक प्रणाली में विपक्ष को अपनी बात

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

कहने का अधिकार है आप सभी लोग रचनात्मक सुझाव दें सरकार उनको मानने के लिए तैयार है लेकिन अनर्गल बात कह कर सदन का समय बरबाद करने का कोई लाभ नहीं । इसलिए आप लोगों को सर्वसम्मति से गवर्नर महोदय का जो अभिभाषण आया है और जिसके लिए सरकार पूरी तरह से वचनबद्ध है, हम प्रदेश का बहुमुखी विकास करने के लिए कृतसंकल्प हैं। महामहिम की तरफ से जो एड्रैस पढ़ा गया है आप लोग सर्वसम्मति से उसको मन्जूर करें।

Mr. Deputy Speaker : Question is —

> That an address be presented to the Governor in the following terms :—
>
> "That the Members of the Haryana Vidhan Sabha assembled in this Session are deeply grateful to the Governor for the Address which he has been pleased to deliver to the House on the 9th February, 2004."

The motion was carried .

Mr. Deputy Speaker : Now, the House is adjourned till 9.30 A.M. tomorrow, the 12th February, 2004.

*12.04 hrs (The Sabha then *adjourned till 9.30 A.M. on Thursday, the 12th February, 2004)

[illegible]